समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• नवंबर २०२३ • वर्ष ७४ • अंक ११

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का दीपावली प्रीति मिलन

१८ नवंबर २०२३; सम्मेलन का 'दीपावली प्रीति मिलन' बालीगंज स्थित हल्दीराम बैंक्वेट में आयोजित हुआ। चित्र में परिलक्षित हैं- राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला, प्रधान अतिथि श्री श्याम सुंदर बेरीवाल, प्रधान वक्ता श्री प्रदीप चोपड़ा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री द्वय श्री पवन जालान, श्री संजय गोयनका, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदार नाथ गुप्ता, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश चंद काबरा एवं पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अग्रवाल।

इस अंक में

संपादकीय

दीपावली : हमारा महापर्व

आपणी बात

प्रांतों की सक्रियता महत्वपूर्ण

रपट

हमारी संस्कार-संस्कृति व भाषा अति समृद्ध

द्रुतगति से आगे बढ़ रहा सम्मेलन

समाज-सुधार एवं समरसता उपसमिति की बैठक

आलेख

क्या मारवाड़ियों ने अपनी जादुई शक्ति खो दी है

राजस्थानी भाषा : आम संवाद में व्यवहार

प्रादेशिक समाचार

उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पूर्वोत्तर

झारखंड, गुजरात, महाराष्ट्र

उत्कल, पश्चिम बंग, कर्नाटक

८९वाँ स्थापना दिवस समारोह

जी. डी. बिड़ला सभागार

२५ दिसंबर, प्रातः १०.३० बजे

दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

Regd. & Corporate Office:

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

Overseas Office at:

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

Plants at:

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

Perfectly styled weddings

Showcasing a collection of impeccably styled ceremonial suits, that add a sense of style and sophistication to your wedding look. This collection is a true testament to redefining suits for weddings, crafted in multiple hues, distinctive silhouettes and fine detail. Because no wedding wardrobe is complete without a well-tailored suit.

THE Raymond SHOP

7/1A, Lindsay Street
✆22174978/22174980/9331046462

21, Camac Street
✆22837933/40629259/9007104378

Use Green Products & Increase Green Building Rating Points

HINDCON CHEMICALS LTD.

STRENGTH UPON STRENGTH

Manufacturers of:

CONSTRUCTION CHEMICALS
SPECIALITY CHEMICALS
SODIUM SILICATE

PROTECTIVE & WATERPROOFING COATINGS, SHEETINGS EXPANSION & CONTRACTION JOINT SYSTEM | CONCRETE & MORTAR ADMIXTURES | REMOVER/CLEANING COMPOUNDS WATER PROOFING COMPOUNDS | GROUTS & REPAIRING MORTARS CEMENT ADDITIVES | EPOXY GROUTS & MORTARS | REHABILITATION COATING IMPREGNATION | CONCRETING AIDS | SHOT CRETE AIDS FLOOR TOPPINGS | TILE ADHESIVE | FOUNDRY AID | SEALANTS | WATERPROOFING | JOB WORK

- **Kolkata :** Nest Constructors +91 9831075782
- **Midnapore :** New S.A. Sanitary +91 8016933523
- **Mursidabad :** Bharat Congee +91 7047628386
- **Siliguri :** Subhojit Ghosh +91 9836367567
  Bhawani Enterprise +91 7584983222
- **South 24 Pgs :** M.M. Enterprise +91 9051449377
- **Nadia :** NPR Enterprise +91 9775174923
- **Purulia :** Netai Chandra Son & Grand Sons +91 9775154544
- **Bankura :** Amit Enterprise +91 8972945781
- **Arambagh :** Maa Manasa Trading +91 9647673010
- **Hooghly :** Sen Enterprise +91 7908528482
- **Birbhum :** K.D. Enterprise +91 9434132114
- **Bhubaneswar :** Santosh Nayak +91 8895677677
- **Chennai :** Five Star Associates +91 9962591145
- **Delhi :** Debasis De +91 9836174567
- **Gujarat :** Ujjwal Chanchal +91 9142501353
- **Guwahati :** Manik Dey +91 9864824344
- **Himachal Pradesh :** Rajan Sharma +91 9830286567
- **Karnataka :** Akshaya Enterprise-9902019244
- **Madhya Pradesh :** Kanha Trading Co. +91 9630732585
  Om Shree Sai Trader +91 8077185201
- **Navi Mumbai :** Paresh Ashra, +91 9967658832, 9322591244
- **Patna :** Happy Home +91 9122191920
- **Uttar Pradesh :** Pramod Kr. Shahi +91 9830296567
  Hind Trading Company +91 7052429999
- **Bhutan :** Sriram Traders - +91 9647748327
- **Nepal :** Ashwin International Pvt. Ltd - 00977 9851035502

ISO 9001:2015 | IS:2645 | IS:9103 | ISO 22716:2007

+91 33 24490839, 9830599113 | +91 33 24490849 | contactus@hindcon.com | www.hindcon.com

Vasudha' 62 B, Braunfeld Row, Kolkata-700027, West Bengal, India

समाज विकास

◆ नवंबर २०२३ ◆ वर्ष ७४ ◆ अंक ११
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक — पृष्ठ संख्या

- **संपादकीय :** ६
  दीपावली : हमारा महापर्व
- **आपणी बात : शिव कुमार लोहिया** ७
  प्रांतों की सक्रियता महत्वपूर्ण
- **रपट**
  हमारी संस्कार-संस्कृति व भाषा अति समृद्ध ९ - १०
  द्रुतगति से आगे बढ़ रहा सम्मेलन १३
  समाज-सुधार एवं समरसता उपसमिति १४
  विधिक उपसमिति १५
- **प्रादेशिक समाचार**
  पूर्वोत्तर, पश्चिम बंग, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्कल, झारखंड १६-१८
- **हमारे नवनिर्वाचित शाखाध्यक्ष**
  सीनी (झारखंड), कटनी (मध्य प्रदेश) १९
- **आलेख**
  क्या मारवाड़ियों ने अपनी जादुई शक्ति खो दी है? २६
  राजस्थानी भाषा : आम संवाद में व्यवहार २७

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सम्मेलन के सभी सदस्यों के सादर ध्यानार्थ

८९वाँ स्थापना दिवस समारोह

मान्यवर,

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का ८९वाँ स्थापना दिवस समारोह आगामी २५ दिसंबर २०२३ (सोमवार) को प्रातः १०.३० बजे से जी.डी. बिड़ला सभागार, (२९, आशुतोष चौधरी एवेन्यू, बिड़ला मंदिर के बगल में, कोलकाता - ७०००१९) में आयोजित किया गया है।

आपकी सपरिवार-सबांधव उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

भवदीय

कैलाशपति तोदी
राष्ट्रीय महामंत्री
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

स्वास्थ्य के क्षेत्र में पहल

सम्मेलन ने सदस्यों एवं समाज बंधु-बांधवों के लिए स्वास्थ्य के क्षेत्र में निम्नलिखित पहल की है –

सम्मेलन ने अपने सहयोगी 'बी. डी. गाड़ोदिया मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट' के माध्यम से **एस.वी.एस. मारवाड़ी अस्पताल** (अम्हर्स्ट स्ट्रीट) के साथ मिलकर विविध सर्जरी के लिए व्यवस्था की है, जिसमें **(१) हर्निया, (२) हाइड्रोसिल, (३) पाइल्स, (४) फिस्सुरे** के ऑपरेशन में होने वाले खर्च का 80 प्रतिशत योगदान 'बी. डी. गाड़ोदिया मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट' सीधे तौर पर अस्पताल को देगा और शेष 20 प्रतिशत मरीज को वहन करना पड़ेगा। इसका लाभ देश के सभी प्रांतों के समाज-बंधु ले सकते हैं।

नोट : आवेदन प्रपत्र केंद्रीय एवं प्रांतीय कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। चिकित्सकीय सेवा का लाभ प्रांतीय अध्यक्ष या महामंत्री के अनुशंसा पत्र के माध्यम से ही मिलेगा। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय से दूरभाष : 033-40044089, 8697317557, ईमेल : aimf1935@gmail.com पर संपर्क कर सकते हैं।

दीपावली : हमारा महापर्व

दीपावली हमारे देश में ही नहीं, धीरे-धीरे पूरे विश्व में इसका प्रकाश फैल रहा है। इस महापर्व में इतने सुंदर संदेश निहित हैं, जोकि अद्वितीय हैं।

तेल के दीपक को जलाने के लिए बाती को आंशिक रूप से तेल में डुबाना पड़ता है। यदि पूरी डूब जाए तो प्रकाश नहीं ला सकती। जीवन भी दीपक की बाती की तरह है। संसार में रहना है, लेकिन अपने को संसार के अंदर नहीं रखना है। संसार में रहते हुए संसार को अपना न मानते हुए हम आनंद प्राप्त कर सकते हैं।

हर दिल में ज्ञान एवं प्रेम का दीपक जले, यही दिवाली का संदेश है। हमारे अंदर छिपे हुए संस्कार दीपक की तरह हैं, जिसे हम दिवाली पर प्रज्ज्वलित करते हैं एवं आध्यात्मिक ज्योति से भर जाते हैं।

दीपक की खास बात है कि एक ज्योति से अनेक ज्योति दीप्तिमान हो सकते हैं, बिना किसी भी प्रकार के नुकसान के। दीपावली का अर्थ होता है – दीपो की अवलि यानी पंक्ति। यह इस बात का प्रतीक है कि समाज में सभी व्यक्ति का जीवन प्रेम एवं ज्ञान से आलोकित हो यानी सभी दीपक बन जाएँ तो दीपावली हो जाती है। इसी को भगवान बुद्ध ने कहा था अप्प दीपो भव। हमें स्वयं के अंदर सुप्त ज्ञान एवं प्रेम भावना को जाग्रत करना होगा। संसार एवं संसार की वस्तुओं को अपना मान लेने एवं उन पर अपना हक समझने से हममें नकारात्मक भाव पैदा हो जाते हैं।

उत्सव आत्मा का स्वभाव है। प्राचीनकाल से हर ऋषि-मुनि उत्सव में पवित्रता लाते थे, ताकि मन में मलिनता न आने पाए। उत्सव का अर्थ है परमपिता परमेश्वर के प्रति आभार प्रगट करना। जीवन का आनंद तभी है जब हमें जो प्राप्त है, उसका शुक्राना व्यक्त करें, न कि दुख करें जो हमें न मिला हो। हमारी परंपरा रही है कि हमारा जो भी है उसको हम अपने सामने रखें एवं उसमें प्रचुरता का अनुभव करें। एकत्र करने से प्रचुरता बढ़ती है। अगर हम अभाव का अनुभव करते हैं तो अभाव की भावना बढ़ती है।

अर्थशास्त्र में कहा गया है – "**धर्मस्य मूलं अर्थः**" यानी धार्मिकता का मूल ही समृद्धि है। अगर हम धर्म के अनुसार आचरण नहीं करेंगे तो समृद्धता का भाव हमारे सोच में नहीं आएगा। धार्मिक भाव जागृत होने से ही हम उत्सव का सही स्वरूप में आनंद ले पाते हैं। यजुर्वेद में कहा गया है – "**तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु**" अर्थात हमारे मन से नेक इरादे प्रवाहित हों। अतएव मनुष्य के जीवन में प्रकाश का अर्थ सिर्फ रोशनी से नहीं होता। जीवन में प्रकाश के उदय का अर्थ होता है ज्ञान का अभ्युदय। एक नई शुरुआत और सब विषय एवं परिस्थिति को समझने की स्पष्टता, अन्य प्राणियों के विपरीत मनुष्य के जीवन में विकल्प होते हैं। अतः जीवन को समुचित मार्ग में ले जाने के लिए संकल्प की आवश्यकता होती है, ताकि वह भ्रमित न हो। चूँकि हमें बुद्धि एवं विवेक मिला है, उसका सही प्रयोग बिना ज्ञान के प्रकाश के नहीं हो सकता।

समय का अनुभव इस बात पर निर्भर करता है कि आप खुश हैं या दुखी हैं। यदि आप उत्सव में हैं तो आपको समय का पता ही नहीं लगेगा। अगर आप दुखी हैं तो समय काटना मुश्किल हो जाएगा। यदि आप उत्सव में हैं तो आप आनंदित रहेंगे। आपको अन्य लोगों की आवश्यकता महसूस नहीं होगी। यह प्रमुख मान्यता है कि भगवान राम जब रावण का वध करके अयोध्या लौटे तो प्रत्येक घर में दीपक जलाकर उनका स्वागत किया गया। माता कौशल्या ने उनसे पूछा कि क्या रावण का वध कर आए। तो भगवान राम ने उत्तर दिया – माता, रावण का वध मैंने नहीं किया उसके 'मैं' ने किया। अर्थात रावण प्रकांड ज्ञानी एवं वैभवशाली होते हुए भी अहम से चूर था। उसका अहम ही उसके पतन का कारण बना। कहने का तात्पर्य है कि जब हमारे अंदर अहम आता है तो हमारे अंदर व्याप्त राम तत्व की हम अवहेलना करने लगते हैं।

भौतिक जगत के चकाचौंध में हम जीवन जीने का सलीका भूलते जा रहे हैं। हम स्वयं को शरीर मानकर शरीर के भोगों के लिए सब समय प्रयत्न करते रहते हैं, जबकि वास्तविकता में हम परमात्मा के अंश-आत्मा हैं। इसी आत्मा के स्तर पर जीना ही आध्यात्मिक जीवन है। यही दीपावली का भी संदेश है। कवि ने आज की स्थिति का सुंदर चित्रण इन पंक्तियों में किया है –

बहुत बार आई-गई यह दिवाली
मगर तम जहाँ था वही पर खड़ा है
सृजन शांति के वास्ते है जरूरी
कि हर द्वार पर रोशनी गीत गाए
तभी मुक्ति का यज्ञ यह पूर्ण होगा
कि जब प्यार तलवार से जीत जाए
घृणा बढ़ रही है, ऊपर चढ़ रही है
मनुज को मिलाओ, दनुज को मिटाओ।

प्रांतों की सक्रियता महत्वपूर्ण

दिवाली की राम-राम सा!

राम... राम... राम...जरा मन से, प्रेम से दोहराइए एवं देखिए कैसा लगता है? राम का महान चरित्र हमें सकारात्मक ऊर्जा से भरता है। राम परम चेतना ईश्वर का नाम है जो मनुष्य के हृदय में निवास करते हैं। यह शरीर दशरथ है। सारथी राम हैं। कबीर ने कहा है :

कस्तूरी कुंडल बसे मृग ढूंढे बन माहि।
ऐसे घट-घट राम है दुनिया देखे नाहि।।

राम हमारे अंदर ही हैं, किंतु उसको हम मंदिरों और कर्मकांडों में खोजते रहते हैं। असल मायने में हम राम से दूर होते जा रहे हैं। पहले राम-राम हमारे अभिवादन का भाव था, अब हाय, हेलो होता जा रहा है। अपने घर में बच्चों को राम सिर्फ एक मिथक लगते हैं। उनसे संबंधित कथा, कहानी अब हम भूलते जा रहे हैं। अगर राम को अपने जीवन से हम दूर रखेंगे तो अवश्यमेव रावण का उदय होगा। जब इंसान वासना और क्रोध जैसे विकारों से वसीभूत होकर अपनी मर्यादा लांघ जाए तो उस वक्त वह रावण बन जाता है। इसलिए हमारे पूर्वजों के अभिवादन का भाव राम-राम करके ही व्यक्त होता था, ताकि राम का सदैव स्मरण रहे। दीपावली के अवसर पर भी हमारे पूर्वजों ने दीपावली की राम-राम का अभिवादन ही प्रचलित किया। इस विषय में हम सभी समझ-बुझकर आवश्यक कदम उठाएँ तो श्रेष्ठ होगा।

सम्मेलन की गतिविधियाँ इधर, अबाध रूप से गतिशील हैं। हमारे पावन महापर्व में व्यस्तता के बावजूद भी प्रांतों से कार्यक्रमों की सूचना प्राप्त हो रही है। अत्यंत हर्ष का विषय है कि दिनांक १८ नवंबर को आयोजित दीपावली प्रीति सम्मेलन सुंदरता एवं सफलता की हर कसौटी में खरा उतरा है। करीब २५० समाज बंधुओं ने भाग लिया। इस बार के कार्यक्रम की खास बात यह रही कि अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की पश्चिम बंगाल प्रांत की अध्यक्ष सुश्री बबीता बगड़िया एवं उनकी टीम ने कार्यक्रम में भाग लेकर गणेश वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया। उनको बधाई एवं उनको हार्दिक आभार! वक्ताओं ने कई मुद्दे उठाएँ। एक मुद्दा जिसका हर वक्ता ने उल्लेख किया, वह था समाज के नई पीढ़ी का व्यवसाय की जगह नौकरी की ओर रुझान। हमारे भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने बहुत ही सटीक कहा कि अगर सभी नौकरी करना चाहेंगे तो नौकरी का सृजन कौन करेगा। यह एक गंभीर मसला है जिसकी ओर समाज का ध्यान जाना आवश्यक है। समाज के अग्रजों से प्रेरणा लेते हुए सम्मेलन इस विषय में 'मारवाड़ी व्यापार सहयोग' कार्यक्रम के तहत पहल करने की कोशिश कर रहा है। आशा है आप लोगों के सहयोग से यह पहल सफल होगा।

इस महीने समाज-सुधार उपसमिति, विधिक उपसमिति एवं राजनीतिक चेतना उपसमिति की बैठक संपन्न हुई। इस प्रकार लगभग तीन उपसमितियों को छोड़कर सभी उपसमितियाँ अपना कार्य प्रारंभ कर चुकी हैं। इससे सम्मेलन के कार्यों में विस्तार होने की आशा है। यह भी हर्ष का विषय है कि अपने-अपने क्षेत्र में सफल व्यक्ति सम्मेलन के कार्यक्रमों से जुड़ रहे हैं। उसी के कारण पिछले दो-तीन महीनों में जो कुछ हुआ, वह संभव हो पाया है।

आगामी महीने २५ दिसंबर को सम्मेलन का ८९वाँ स्थापना दिवस समारोह कोलकाता के भव्य जी. डी. बिड़ला सभागार में प्रातः १०:३० बजे आयोजित होने जा रहा है। इस वर्ष सम्मेलन का गरिमा पूर्ण 'राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान' पद्मभूषण श्री देवेंद्र राज मेहता को दिया जाएगा। सभा को यादगार बनाने के लिए समाज के विशिष्ट व्यक्तियों को विशेष कर आमंत्रित किया जा रहा है। डॉ. मेहता भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के संस्थापक एवं अध्यक्ष हैं। समिति का सबसे प्रसिद्ध उत्पाद जयपुर फुट है। डॉक्टर मेहता के नेतृत्व में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति २७ देशों और भारत के २३ राज्यों में फैले १५ लाख से अधिक विकलांग लोगों का पुनर्वास करने वाला दुनिया का सबसे बड़ा संगठन बन गया है। मैं पुरस्कार समिति के अध्यक्ष पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला एवं संयोजक श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया तथा पुरस्कार समिति के सभी सदस्यों के प्रति उनके इस महत्वपूर्ण चयन के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। साथ ही इस कार्यक्रम में विशेषकर राजस्थान के कलाकारों को आमंत्रित किया गया है, जो राजस्थानी गीत, संगीत एवं नृत्य की मनमोहक छटा बिखेरेंगे। **यह कार्यक्रम विशिष्ट तभी होगा जब आप अधिक से अधिक संख्या में इसमें भाग लेंगे।** मैं, आप सभी को इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सादर आमंत्रित करता हूँ।

हम भिन्न-भिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा बना रहे हैं। सभी प्रांतीय पदाधिकारियों से मेरा विनम्र अनुरोध है कि केंद्रीय कार्यालय से भेजे गए सभी पत्रों पर ध्यान देकर आवश्यक कार्यवाही करने की कृपा करें। समाज-सुधार के कार्यक्रमों को लेकर गुवाहाटी अधिवेशन में प्रस्ताव पारित हुए थे। उन पर सभी को एकजुट होकर अमल करना है। प्रांतीय स्तर पर इन्हें कैसे लागू किया जाए इस बारे में आपकी राय महत्वपूर्ण है।

आपणो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज

शिव कुमार लोहिया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
८९वाँ स्थापना दिवस समारोह

प्रिय महोदय,

८८ वर्ष पूर्व १९३५ में हमारे दूरदर्शी पूर्वजों ने समाज को संगठित करने एवं उन्हें अपने अधिकारों से वंचित न होने देने के उद्देश्य से **अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन** की स्थापना की थी। मारवाड़ी समाज की एकमात्र राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था के रूप में सम्मेलन देश के १८ प्रांतों में कार्य कर रहा है। दिन-प्रतिदिन समाज के लोग सम्मेलन से जुड़ रहे हैं। सदस्य संख्या तो बढ़ रही है, किंतु अभी इसे संतोषजनक नहीं कहा जा सकता है। इस दिशा में हम सबको मिलकर प्रयास करना होगा **'संगठित समाज, सशक्त समाज'** का सम्मेलन का नारा सफलीभूत हो सके। कोलकाता महानगर की कई संस्थाएँ भी सम्मेलन से संबद्ध हुई हैं, यह एक अच्छी शुरुआत है।

सम्मेलन का **८९वाँ स्थापना दिवस समारोह, २५ दिसंबर २०२३ (सोमवार)** को कोलकाता के **जी.डी. बिरला सभागार** में मनाया जाएगा, जिसमें पूरे देश के प्रतिनिधि उपस्थित होंगे। इस अवसर पर सम्मेलन का सर्वोच्च **'मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान'** समाज के एक विशिष्ट व्यक्तित्व को देश अथवा समाज के प्रति उत्कृष्ट योगदान हेतु प्रदान किया जाएगा। साथ ही, सम्मेलन के मुखपत्र 'समाज विकास' का एक पठनीय एवं संग्रहणीय विशेषांक प्रकाशित किया जाएगा।

सम्मेलन को प्रत्येक मौके पर आपका मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त होता आया है। इसी के बलबूते सम्मेलन अपनी शक्ति एवं ऊर्जा के साथ समाज-उत्थान के कार्यों को अंजाम दे पाता है। इस विशेषांक को सफल बनाने में आपसे प्रकाशन योग्य सामग्री तथा विज्ञापनरूपी सहयोग प्राप्त होगा, इसका पूर्ण विश्वास है।

आदर सहित

शिव कुमार लोहिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष

कैलाशपति तोदी
राष्ट्रीय महामंत्री

दिनेश कुमार जैन, रंजीत जालान, राजकुमार केडिया, निर्मल कुमार झुनझुनवाला, मधुसूदन सीकरिया, डॉ. सुभाष अग्रवाल
राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण

आत्माराम सोंथलिया
चेयरमैन,
वित्तीय उपसमिति

पवन जालान
संजय गोयनका
राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री

महेश जालान
राष्ट्रीय संगठन मंत्री

केदारनाथ गुप्ता
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

Advertisement Manager
SAMAJ VIKAS
4B, Duckback House (4th Floor)
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-700017 (W.B.)
e-mail: aimf1935@gmail.com

Dear Sir,

Please publish a Special / Full / Half Page Advertisement in your Special Issue to be brought out on the occasion of 89th FOUNDATION DAY of AIMF. Our cheque is enclosed / will be sent in due course on receipt of your bill.

Thanking you,

Sincerely Yours

Name .....

Address.....

.....

(Signature)

Phone/Mobile No.....

e-mail.....

Tariff

Back Cover Page (Colour)	Rs.	50,000/-
Inside Covers (Colour)	Rs.	30,000/-
Full Page (Colour)	Rs.	15,000/-
Full Page (B&W)	Rs.	10,000/-

Mechanical Data

Overall Page Area	27x19cm
Print Area	22x16cm
No. of Columns	Two

All Cheques to **'All India Marwari Federation'**
G.S.T. No. 19AABTA0938Q1ZB, PAN No. AABTA0938Q, Bank: State Bank of India
Branch: Shakespeare Sarani (Kolkata), A/C No. 32028596548, IFSC Code : SBIN0003031

हमारी संस्कार-संस्कृति व भाषा अति समृद्ध : उसे बचाने की जिम्मेदारी हमारी – श्री लोहिया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का दीपावली प्रीति मिलन बालीगंज स्थित हल्दीराम बैंक्वेट में आयोजित हुआ। सुप्रसिद्ध समाजसेवी उद्योगपति पद्मश्री श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने प्रीति मिलन समारोह का उद्घाटन किया। सभी अतिथियों एवं सम्मेलन के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री शिव कुमार लोहिया** ने सभी का अभिनंदन करते हुए कहा कि दिवाली को राम से अलग नहीं किया जा सकता है। आज हम दिवाली की राम-राम नहीं, हैप्पी दिवाली कहते हैं। हम अपनी भाषा, लोक संस्कृति, लोक साहित्य, लोकगित, तीज-त्योहार, जीवंत परंपराओं, पहनावों, भोजन, व्यंजन, संगीत, नृत्य से दूर होते जा रहे हैं। कोई भी समाज अपनी पहचान खो दे तो क्या बचेगा उसके पास। हमारा समाज सशक्त और विचारशील समाज है। हमें अपनी भाषा, अपने संस्कारों को बचा कर रखना होगा। इस विषय पर विचार-विमर्श कर हम आपस में संवाद स्थापित कर सकते हैं। आगे श्री लोहिया ने मारवाड़ी सम्मेलन के गौरवमय इतिहास एवं व्यापक उद्देश्यों का स्मरण करते हुए कहा यह संस्था पूरे समाज को एक सूत्र में बांधने का महती कार्य कर रही है। इस यज्ञ में सभी के आहूति का आह्वान किया। उन्होंने सभी समाज-बंधुओं से अपने घर के सदस्यों के साथ अपनी भाषा में वार्तालाप करने का संकल्प पेने का अनुरोध किया।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **पद्मश्री श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने कहा कि दिवाली पाँच दिवसीय पर्व है, जो धनतेरस से शुरू होकर भाई दूज तक चलता है। आज हमारी युवा पीढ़ी पढ़ाई खूब कर रही है, विदेशों में पढ़ रही है। पर पढ़ाई के बाद वह नौकरी करना चाहती है, व्यापार नहीं। जब वे व्यापार नहीं करेंगे तो नौकरियों का सृजन कैसे होगा। इस प हम सभी को विचार करने की आवश्यकता है।

प्रधान अतिथि **श्री श्याम सुंदर बेरीवाल** ने कहा कि दीपावली हमें 'अप्प दीपो भव' अर्थात अपना दीपक स्वयं बनने का संदेश देता है। हम एक दूसरे का हाथ थामकर, एक दूसरे का सहयोग करके ऐसा कर सकते हैं। हमें एक अकेला दीपक नहीं, बल्कि दीपमाला बनना है। हमें ऐसा चिराग जलाना है कि सभी के घर में उजाला हो। आज हमारे समाज को माँ लक्ष्मी और माँ सरस्वती का भरपूर आशीर्वाद प्राप्त है।

प्रधान वक्ता **श्री प्रदीप चोपड़ा** ने कहा कि हमारे समाज ने भव्य कीलों, मंदिरों, धर्मशालाओं, अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों का निर्माण किया। हमारी सफलता में हमारी महिलाओं का बहुत बड़ा हाथ है। मारवाड़ी जोखिम उठाने की शक्ति रखता है। हमलोग सब कुछ कर सकते हैं। हमें अपने आने वाली पीढ़ियों के लिए अपना इतिहास लिखना चाहिए। हमें नौकरी लेने वाला नहीं, नौकरी देने वाला बने रहना है।

पश्चिम बंग मारवाड़ी महिला सम्मेलन की **श्रीमती रेणू अग्रवाल** ने गणेश वंदना एवं महिला सम्मेलन की सदस्य ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

श्री बिश्वनाथ भुवालका, श्री काशी प्रसाद धेलिया, श्री गोपाल अग्रवाल, श्री सज्जन बेरीवाल, श्री प्रमोद जैन, श्री नवीन जैन, श्री संजय शर्मा, श्री संदीप सेक्सरिया, श्री प्रमोद अग्रवाल, श्री अशोक पुरोहित, श्री पूरनमल अग्रवाल, श्रीमती पूनम अग्रवाल ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों, प्रांतीय अध्यक्षों, महिला सम्मेलन अध्यक्ष एवं युवा मंच के पूर्व अध्यक्ष का स्वागत बूके, दुपट्टा, पगड़ी पहनाकर किया।

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री संजय गोयनका**, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री केदार नाथ गुप्ता** एवं निवर्तमान कोषाध्यक्ष **श्री**

दामोदर विदवतका ने अतिथियों का परिचय दिया।

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री दिनेश जैन** ने एक कविता के माध्यम से स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन राष्ट्रीय महामंत्री **श्री कैलाशपति तोदी** ने किया। संयुक्त महामंत्री **श्री पवन जालान** ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस मौके पर पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राम अवतार पोद्दार, श्री संतोष सराफ, निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका, फाइनेंस समिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोंथलिया, पूर्वोत्तर प्रदेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री कैलाश चंद काबरा, पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अग्रवाल, निवर्तमान महामंत्री श्री संजय हरलालका, सर्वश्री कुंज बिहारी अगरवाला, प्रमोद शाह, राजेश अग्रवाल, अरुण पोद्दार, रमेश कुमार बूबना, शंकर कारिवाल, रघुनाथ प्रसाद झुनझुनवाला, जय प्रकाश सेठिया, शिवरतन फोगला, विक्की सीकरिया, हरि प्रसाद बुधिया, संदीप गर्ग, अरूण कुमार चूडीवाल, पवन पाटोदिया, अरुण प्रकाश मल्लावत, अनिल मल्लावत, डॉ. सांवर धनानिया, राजेश पोद्दार, सुरेश अग्रवाल, नरेन्द्र तुलस्यान, राजेंद्र खंडेलवाल, नंद लाल सिंघानिया, पवन बंसल, सुशील भावसिंहका, गोपाल पित्ती, दिनेश अग्रवाल, राजेश कुमार सोंथलिया, सांवर मल शर्मा, राजेश ककरानिया, संदीप सेकसरिया, काशी प्रसाद धेलिया, संजय शर्मा, जुगल किशोर जाजोदिया, ओम प्रकाश अग्रवाल, जगदीश प्रसाद अग्रवाल, भैरो दान सुराना, जे. एस. मेहता सहित समाज के अनेक बंधु-बांधव, सामाजिक कार्यकर्ता एवं समाज के काफी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

झलकियाँ

IAC
SINCE 1959

ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab

POWERING 35 NATIONS ACROSS THE WORLD

IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959

PRODUCTS & SERVICES OFFERED:

- Transmission line and substation insulator fittings up to 1200 kV AC and 800 kV HVDC
- Conductor and groundwire accessories
- HTLS conductor accessories and Sub zero hardware fittings
- OPGW cable fittings
- Pole/Distribution line hardware
- AB Cable and ADSS cable accessories
- Substation clamps and connectors
- Conductor, Insulator and hardware testing facility

Transmission line and distribution line hardware fittings,
IEC/ISO 17025/2015 NABL accredited laboratory for conductor, insulator and hardware fittings type testing.

www.iacelectricals.com info@iacelectricals.com
701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

Introducing

nouriture

New thinking that heralds the journey to progress

Nouriture is here to usher in a new era of livestock farming through new products, technologies and services. Building on its heritage of 19 years under the name Anmol Feeds, its range includes easily digestible Poultry, Fish, Cattle and Shrimp Feed. Nouriture produces superior quality poultry feed under three different brand names that are nutritious and accelerates growth of poultry. Indeed, with the advent of Nouriture, Indian livestock farming is all set for a revolution. So choose Nouriture, choose progress.

HIGH YIELD | PROMOTES ANIMAL HEALTH | MANUFACTURED USING MODERN FORMULATION

POULTRY FEED | FISH FEED | SHRIMP FEED | CATTLE FEED

Scan to visit website

Manufactured & Marketed by:
ANMOL FEEDS PVT. LTD.

Toll free number:
1800 3131 577

Unit No. 608 & 612, 6th Floor, DLF Galleria, New Town, Kolkata-700156, West Bengal
P +9133 4028 1011-1035 E afpl@nouriture.in W www.nouriture.in

द्रुतगति से आगे बढ़ रहा सम्मेलन : श्री लोहिया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय स्थायी समिति के सत्र २०२३-२५ की प्रथम बैठक केंद्रीय सम्मेलन के डकबैक हाउस स्थित सभागार में आयोजित हुई। राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक को संबोधित करते हुए अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने कहा कि बड़े हर्ष की बात है कि इस सत्र में सभी सदस्यों, पदाधिकारियों, प्रांतीय पदाधिकारियों एवं सभी उपसमितियों का सहयोग मिल रहा है, जिससे सम्मेलन द्रुतगति से आगे बढ़ रहा है। और नए-नए प्रकल्प के बारे में हम सोच पा रहे हैं। श्री लोहिया ने गुवाहाटी में आयोजित २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन में पारित प्रस्तावों - विवाह समारोह में मद्यपान निषेध एवं प्री-वेडिंग फोटोशूट, सड़कों पर नृत्य, ड्रेस कोड का विरोध के बारे में ज्यादा से ज्यादा जागरूकता के लिए उपस्थित सदस्यों से सुझाव माँगा। उद्यमिता (एंट्रेप्रेन्यूरशिप) पर २५ नवंबर को होने वाले भावी कार्यक्रम की सूचना सभी सदस्यों को दी। आगे श्री लोहिया ने १८ नवंबर को आयोजित होने वाले 'दीपावली प्रीति सम्मेलन' और २५ दिसंबर को होने वाले सम्मेलन के ८९वें स्थापना दिवस को सफल बनाने के लिए सबसे निवेदन किया। समाज विकास उपसमिति के चेयरमैन श्री लोहिया ने सम्मेलन की मासिक पत्रिका 'समाज विकास' के नए स्तंभों की जानकारी दी एवं पत्रिका के उन्नयन के लिए उपस्थित सदस्यों से सुझाव माँगा। तत्पश्चात मायड भाषा उपसमिति के चेयरमैन श्री रतन लाल शाह, स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन श्री अनिल मल्लावत, सूचना तकनीकी एवं वेबसाइट उपसमिति के चेयरमैन श्री अजय कुमार अग्रवाल, रोजगार उपसमिति के चेयरमैन श्री दिनेश जैन ने अपने उपसमिति के क्रिया-कलापों की विस्तृत जानकारी दी। सांगठनिक एवं सामाजिक विषयों पर उपस्थित सदस्यों से चर्चा हुई। समाज की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं को जोड़ने का गुरुभार श्री गोपाल अग्रवाल, श्री सर्वेश जैन एवं श्री भगवान दास अग्रवाल ने लिया।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने अस्वस्थता के कारण बैठक की कार्यवाही को संचालित करने का अनुरोध राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदार नाथ गुप्ता से की। श्री गुप्ता ने गत बैठक की कार्यवृत्त को पारित करवाया एवं महामंत्री का रपट प्रस्तुत किया। आगे संगठन विस्तार के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान सत्र में मई २०२३ से अब तक पूरे देश से ११०२ सदस्य बन चुके हैं। सर्वश्री सज्जन बेरीवाल, जुगल किशोर जाजदिया, राधा किशन सफर, अरूण प्रकाश मल्लावत, रवि लोहिया, सुरेश अग्रवाल, बिनोद टेकरिवाल, अजय कु. अग्रवाल, शरद सरावगी, अमित मूँधड़ा, विनय सराफ, राजेश ककरानिया, संजय भरतिया, शशि कांत शाह, प्रदीप जीवराजका, भगवान दास अगरवाल, पवन जैन एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे। राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री पवन कुमार जालान ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

समाज-सुधार एवं समरसता उपसमिति

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय सभागार में ४ नवंबर २०२३ को समाज के महापुरुष जमनालाल बजाज जी की जयंती पर समाज-सुधार एवं समरसता उपसमिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता समाज-सुधार एवं समरसता उपसमिति के चेयरमैन श्री पवन कुमार गोयनका ने आभासीय पटल जूम पर की। उपसमिति की अध्यक्षता करते हुए श्री गोयनका ने उपस्थित सभी सदस्यों का अभिवादन किया और समाज-सुधार समिति की महत्ता के बारे में बताते हुए कहा कि सम्मेलन के गठन के समय हमारे पूर्वजों ने जो उद्देश्य चुना वह था समाज-सुधार और समाज को एकजुट करना। आगे उन्होंने कहा कि समाज-सुधार का मतलब हम बुराईयों को दूर करना समझते हैं, जबकि समाज-सुधार एक व्यापक मायने रखता है इसमें बुराईयाँ, रूढ़िवादिता, अंधविश्वास, कुरीतियाँ, संस्कारों की कमी, स्वास्थ्य एवं जीवन स्तर में सुधार इत्यादि सभी समाज-सुधार के अंतर्गत आते हैं। इस दृष्टि से यह जो समाज-सुधार एवं समरसता उपसमिति की समिति है, वह बहुत महत्वपूर्ण है। व्यापक स्तर पर काम करने के लिए हमें अन्य समाज की संस्थाओं, मारवाड़ी युवा मंच, मारवाड़ी महिला सम्मेलन, अपने प्रांतीय पदाधिकारियों, शाखा पदाधिकारियों को इस समिति से जोड़कर प्रभावी ढंग से इसके कार्यों को आगे बढ़ाएँगे तो हम अपने उद्देश्य में सफल हो जाएँगे। आगे श्री गोयनका ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया को उपसमिति का चेयरमैन बनाने पर धन्यवाद देते हुए मार्गदर्शन करने का अनुरोध किया।

श्री लोहिया ने कहा कि गुवाहाटी में आयोजित २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन में पारित प्रस्तावों को कैसे लागू करें और इसका कैसे ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार करें। पारित प्रस्तावों को लेकर शुरुआत करने का अनुरोध किया।

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाडोदिया ने कहा कि समाज-सुधार निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। पहले हम जिन सुधारों की बात करते थे वह जानकारी के अभाव में रूढ़िवाद के वजह से थी। आज की परेशानियाँ अहंकार की वजह से हैं। चाहे वह विवाह-विच्छेद का मामला हो, बुजुर्गों के सम्मान की बात हो, सभी का समाधान संस्कार है। जब तक संस्कार का संवर्धन नहीं होगा, समस्या बनी रहेगी। हमें संस्कार संवर्धन की ओर जोर देने की आवश्यकता है।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने कहा कि कुरीतियाँ समय-समय पर बदलती रहती हैं, इस पर हमें ध्यान देना होगा। उन्होंने अपना सुझाव देते हुए आगे कहा कि हमें बहुत सारे कुरीतियों पर ध्यान न देकर मुख्य दो-तीन (मद्यपान, रोड पर नृत्य, ईमानदारी, नैतिक-मूल्य हनन आदि) कुरीतियों पर कार्य करने की आवश्यकता है, जिससे हम उन्हें खत्म करने में सफल हो पाएँगे।

श्री गोपाल पित्ती ने कहा कि हमें सबसे पहले सभी सदस्यों को एक मंच पर लाना चाहिए। फिर उन सदस्यों को बोला जाए कि आप सभी इन सामाजिक सुधारों को अपने घर-परिवार में लागू करवाएं। साथ ही समाज की संस्थाओं को जोड़कर उनके माध्यम से इसका ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार हो सकता है।

समिति के संयोजक श्री जुगल किशोर जाजोदिया ने कहा कि समाज की संस्थाओं के साथ जुड़कर एवं उनके साथ कार्यक्रम बनाकर ही हम इस कार्य को आगे बढ़ा सकते हैं।

फाइनेंस समिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोंथलिया जी ने कहा कि आज हमारी साख जो गिरी है उस पर विचार करने की आवश्यकता है और उस दिशा में कार्य करने की जरूरत है।

समिति के सदस्य श्री राजेंद्र खंडेलवाल ने कहा कि समाज की ओर से एक संदेश जाना चाहिए कि हमलोग पर्यावरण एवं जलवायु चिंतक है और उस दिशा में हमें कार्य करने की आवश्यकता है। जैसे शादी-व्याह में हमें महंगे कार्डों के प्रिंटिंग से बचने और डिजिटल कार्डों के प्रचार-प्रसार के लिए लोगों में जागरुकता लाने की आवश्यकता है।

समिति के सदस्य श्री अरुण अग्रवाल ने कहा कि आम जीवन में मैंने महसूस किया है कि हम व्याह-शादी में ५०-६० तरह का व्यंजन बनवाते हैं जबकि हम सभी जानते हैं कि ४-५ चीजों से ज्यादा हम खा नहीं सकते बाद में जब वह व्यंजन नाली में जाता है तो उसका बहुत बुरा संदेश लोगों में जाता है। इस दिशा में हमें सकारात्मक कदम उठाने की अत्यंत आवश्यकता है।

अंत में श्री लोहिया ने श्री गोयनका से अनुरोध किया कि यदि आप कोई एक्शन प्लान बनाकर दें तो भविष्य में प्रांतों के साथ आयोजित होने वाली बैठक के पहले उसे साझा कर देंगे, जिससे बैठक के पहले आप जुड़कर प्रांतीय पदाधिकारियों से चर्चा कर इसका लाभ उठा सकते हैं।

बैठक में सम्मेलन सभागार में उपस्थित थे श्री शिव कुमार लोहिया, श्री कैलाशपति तोदी, श्री जुगल किशोर जाजोदिया, श्री आत्माराम सोंथलिया, श्री केदार नाथ गुप्ता, श्री गोपाल पित्ती, श्री अजय कुमार अग्रवाल, श्री अरुण अग्रवाल, श्री राजेंद्र खण्डेलवाल एवं आभासीय पटल जूम के माध्यम से जुड़े थे श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, श्री संतोष सराफ, श्री पवन कुमार गोयनका एवं श्री अरुण अग्रवाल।

उपसमिति की बैठक

विधिक उपसमिति

विधिक उपसमिति की प्रथम बैठक दिनांक ७ नवंबर २०२३ को सम्मेलन कार्यालय में उपसमिति के चेयरमैन श्री प्रदीप जीवराजका के सभापतित्व में आयोजित हुई। इस बैठक में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाश पति तोदी, विधिक समिति सदस्य श्री घनश्याम सुगला, श्री शरद झुनझुनवाला, श्री गोपाल अग्रवाल तथा विशेष आमंत्रित श्री अमित मूंधरा और श्री नवीन गोपालिका ने सहभागिता की।

समिति सदस्यों ने आपसी चर्चा के बाद सर्वसम्मति से यह प्रस्तावित किया कि सम्मेलन के द्वारा समाज के लोगों को विधिक सहायता और परामर्श देने के लिए एक प्रकोष्ठ का निर्माण किया जाए जो सम्मेलन के प्रांतों और जिला स्तर पर भी संबंधित इकाइयों के सामंजस्य साथ कार्य कर सके। इसके अलावा व्यापार और अन्य सामाजिक आवश्यकताओं से जुड़े विषयों पर सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन समय-समय पर किया जाना चाहिए, जिससे सदस्यों की जानकारी और सजगता में वृद्धि हो सके। साथ ही समिति को सम्मेलन के उद्देश्यों और सरोकारों को ध्यान में रखते हुए सम्मेलन से जुड़े किसी भी कानूनी विषय पर अपनी राय और सहयोग देने को तत्पर रहना चाहिए।

समिति सदस्यों ने इस विषय में नेतृत्व के साथ और अधिक चर्चा करके एक विस्तृत रूपरेखा बनाने का भी निर्णय लिया।

सम्मेलन समाचार

विधि-विधान से हुआ लक्ष्मी-गणेश का पूजन

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय में धनतेरस के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी एवं निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका ने राष्ट्रीय कार्यालय के सभी सहयोगियों के सानिध्य में लक्ष्मी-गणेश का पूजन विधि-विधान से किया। वैदिक पंडितों के निर्देशन में लक्ष्मी-गणेश का पूजन अर्चन हुआ। सभी ने दीपावली की बधाइयां दीं। सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया ने समाज बंधु-बांधवों को दीपावली पर अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए श्री गाड़ोदिया

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के १५ नवंबर २०२३ को 'जनजातीय गौरव दिवस' एवं झारखंड स्थापना दिवस पर राँची आगमन पर स्वागत करते हुए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया जी।

असम की विकास यात्रा में मारवाड़ी समाज का महत्वपूर्ण योगदान : डॉ. हिमंत बिस्व सरमा

३० अक्तूबर को वृहत्तर गुवाहाटी मारवाड़ी समाज की ओर से आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि असम के विकास में मारवाड़ी समाज के लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। चाहे वह आर्थिक क्षेत्र हो या सांस्कृतिक क्षेत्र, हर क्षेत्र में मारवाड़ी समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि जहाँ एक ओर असम की अर्थव्यवस्था को ऊँचाई देने में मारवाड़ी समाज का योगदान है, वहीं यहाँ के स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों आदि के निर्माण के लिए भूमि देने से लेकर धन देने तक में मारवाड़ी समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर योगदान दिया है। समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि मारवाड़ी समाज के लोगों ने स्थानीय कला, संस्कृति, साहित्य में जो योगदान दिया है, वह अविस्मरणीय है। मारवाड़ी समाज के अनेक लोगों ने असमिया भाषा में साहित्य की रचनाएँ की हैं आज मारवाड़ी समाज असम का एक अभिन्न अंग बन गया है।

प्रादेशिक समाचार : पूर्वोत्तर

शिष्टमंडल ने की असम के राज्यपाल से भेंट

६ नवंबर को पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश चंद काबरा, प्रांतीय महामंत्री श्री विनोद लोहिया के नेतृत्व में सम्मेलन की कामरूप शाखा के प्रतिनिधिमंडल ने असम के महामहिम राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया से राजभवन में मुलाकात की। इस अवसर पर कामरूप शाखा के अध्यक्ष श्री दिनेश गुप्ता, संस्थापक अध्यक्ष श्री संपत मिश्र, राजस्थानी भाषा रक्षा समिति के संयोजक श्री संदीप चमडिया उपस्थित थे। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपते हुए राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं सूची में शामिल कर मान्यता देने की अपनी माँग को दोहराया। राज्यपाल ने अनुरोध को स्वीकार कर उसे केंद्र सरकार तक भेजने का आश्वासन देते हुए कहा कि **राजस्थान विधानसभा द्वारा इस विषय पर दो बार प्रस्ताव गृहित किया जा चुका है, मगर भाषाई क्षेत्र के विवाद के चलते प्रस्ताव को केंद्र सरकार ने लंबित कर दिया है; फिर भी इस माँग का सिलसिला अभी तक जारी है। सम्मेलन के प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थानी भाषा को राजस्थान की राजकीय भाषा बनाने पर भी अपनी माँग पर जोर दिया। प्रतिनिधिमंडल से राज्यपाल ने अन्य मुद्दों पर भी विचार-विमर्श करते हुए कई उपयोगी सुझाव सम्मेलन प्रतिनिधिंडल को दिए। महामहिम राज्यपाल ने कहा कि राजस्थानी भाषा की मान्यता के लिए प्रवासी राजस्थानियों के बजाय यह आवाज राजस्थान क्षेत्र के अंदर से ही उठे तो काफी कारगर साबित होगा। इसके लिए मारवाड़ी सम्मेलन को राजस्थान में आंदोलन के रूप में कोई ठोस कदम उठाना होगा।** सम्मेलन के कार्यों की सराहना की। राज्यपाल महोदय ने सम्मेलन प्रतिनिधिमंडल को उनके कार्यों को संपादित करने के लिए हर प्रकार से सहयोग देने का आश्वासन दिया।

देश के विकास में मारवाड़ी समाज का बड़ा योगदान : उपराष्ट्रपति श्री धनखड़

असम की एकदिवसीय यात्रा पर गुवाहाटी आए महामहिम उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने वृहत्तर गुवाहाटी मारवाड़ी समाज द्वारा आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान महामहिम उपराष्ट्रपति ने कहा मारवाड़ी समाज से मेरा लगाव बहुत पुराना है। उन्होंने कहा मारवाड़ी समाज की वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली उपस्थिति है। मारवाड़ी समाज हमेशा ऊँचे प्रतिमानों पर जीवन जीता है। देश के विकास में मारवाड़ी समाज का बड़ा योगदान है। मारवाड़ी समाज जहाँ भी रहता है जहाँ भी व्यापार करता है उस जगह को समृद्ध करता है और अपनी जन्मभूमि तथा कर्मभूमि के बीच में एक नाजुक संतलन बनाकर रखता है, हमें बहुत कुछ मारवाड़ी समाज से सीखने की आवश्यकता है।

महामहिम उपराष्ट्रपति ने मारवाड़ी समाज से अपील की कि बेटे-बेटी को केवल सुपरवाइजर ना बनाएँ, बल्कि अपनी संतानों को उनके हिसाब से आगे बढ़ने दें। उन्होंने आगे कहा कि मारवाड़ी समाज के बच्चे अपनी शिक्षा के दौरान भी एक घंटे अपने व्यवसाय को देते हैं और यह उनकी परंपरा है, इससे उन्हें व्यापार के गुण बिना सीखे ही प्राप्त हो जाते हैं; उन्हें किसी भी प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं पड़ती है। वह व्यापार के गुण सीखने में स्वयं एकलव्य हैं, उन्हें कोई सिखाए या ना सिखाए वह सभी गुण स्वयं सीख जाते हैं।

प्रादेशिक समाचार : कानपुर, उत्तर प्रदेश

छात्रों में मिठाई, पटाखे एवं पूजन समग्री वितरित

मारवाड़ी सम्मेलन कानपुर द्वारा 'नाथूमल साधवानी दिव्य सरस्वती शिशु विद्या मंदिर' यशोदा नगर में संस्कारशाला के बच्चों को दीपावली के उपलक्ष्य में लक्ष्मी-गणेश जी की मूर्ति, पटाखे, मिठाई, पूजन सामग्री आदि वितरित की गइ। मारवाड़ी सम्मेलन का उद्देश्य है – हर घर में हो उजाला, हर घर में मने दिवाली। मारवाड़ी सम्मेलन के प्रादेशिक अध्यक्ष श्री श्रीगोपाल तुलस्यान की उपस्थिति में यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम संपन्न हुआ। शाखा अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश अग्रवाल ने सभी बच्चों और समाज के लोगों को धनतेरस एवं दीपावली की बधाई दी। मारवाड़ी सम्मेलन के इस कार्यक्रम से २०० घरों में दीपावली हर्षोल्लास से मना। सम्मेलन के सभी पदाधिकारियों ने इस कार्य में उपस्थित होकर यह संदेश दिया कि घरों के साथ-साथ लोगों के जीवन में भी आशा का दीप जलाना आवश्यक है और यही संस्कारशाला में सिखाया जाता है। शाखा महामंत्री श्री प्रदीप केडिया की देखरेख में कार्यक्रम संपन्न हुआ। शाखा उपाध्यक्ष श्री आदित्य पोद्दार, कोषाध्यक्ष श्री महेंद्र लड्ढिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री बालकृष्ण देवड़ा, श्री राजेश माहेश्वरी, उपाध्यक्ष सुश्री साधना देवड़ा, मीडिया प्रभारी सुश्री विनीता अग्रवाल एवं अन्य सदस्य और पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर की प्रधानाध्यापिका सुश्री शिल्पी भसीन के साथ सभी शिक्षिकाएं इस कार्यक्रम में सम्मिलित रहीं।

बृजराजनगर शाखा का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के बृजराजनगर शाखा के सत्र २०२३-२५ का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। निवर्तमान शाखा सचिव श्री बसंत साबू ने समारोह की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. गोविंद अग्रवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल, मंडल उपाध्यक्ष श्री पवन सुल्तानिया, संबलपुर शाखा अध्यक्ष श्री संतोष अग्रवाल, वरिष्ठ सदस्य श्री सुभाष सितानी, श्री अनिल अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष श्री खंडेलवाल उपस्थित थे। बृजराजनगर शाखा अध्यक्ष CA श्री रतन अग्रवाल, सचिव श्री कमल गोयल एवं पूरी कार्यकारिणी ने पदभार ग्रहण किया। सभा के दौरान २२ नए सदस्यों ने सम्मेलन की सदस्यता ग्रहण की, जिनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। रात्रि भोज के साथ सभा की समाप्ति हुई।

प्रांतीय सम्मेलन ने श्री दिलीप राय का किया सम्मान

उत्कल प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. गोविंद अग्रवाल ने श्री पवन सुल्तानिया के साथ मेफेयर ग्रूप ऑफ होट ल्स के चेयरमैन श्री दिलीप राय एवं उनकी धर्म पत्नी को शाल, श्री फल एवं सम्मेलन का ममेंटो भेंट कर सम्मानित किया। यह सम्मान ८ नवंबर को झारसुगुड़ा में खुल रहे मेफेयर ग्रुप ऑफ होटल्स की नई शाखा के पूजन समारोह में हुआ। इस अवसर पर राउरकेला चैंबर ऑफ कॉमर्स के वर्तमान अध्यक्ष श्री सुनील कायल, उपाध्यक्ष श्री गुरमित सिंह सहित झारसुगुड़ा की विधायिका कु. दीपाली दास भी उपस्थित थीं। डॉ. गोविंद अग्रवाल ने विधायिका से समाजसेवा तथा उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के क्रिया-कलापों को लेकर काफी देर तक चर्चा की, साथ ही उत्कल प्रदेश के चौतरफा विकास में मारवाड़ी समाज की भूमिका पर भी विचार-विमर्श किया। प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. अग्रवाल ने श्री दिलीप राय को बधाईयाँ एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

दीपावली प्रीति मिलन एवं गोवर्धन पूजा

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की दक्षिण दिल्ली शाखा एवं मारवाड़ी युवा मंच की दक्षिण दिल्ली शाखा द्वारा संयुक्त रूप से १४ नवंबर को दीपावली मिलन, गोवर्धन पूजा एवं रामलीला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम बहुत ही शानदार रहा। बड़ी संख्या में समाज-बंधुओं, महिलाओं एवं बच्चों की उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि डॉ. श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल, दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोडिया, निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, प्रांतीय महामंत्री श्री सुन्दर लाल शर्मा, उपाध्यक्षगण श्री विनोद किला एवं श्री सज्जन शर्मा, पूर्वी दिल्ली शाखाध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, दक्षिण दिल्ली शाखाध्यक्ष श्री प्रदीप शर्मा, निवर्तमान शाखाध्यक्ष श्री शिव महिपाल, मारवाड़ी युवा मंच की ओर से बड़ी संख्या में सदस्य, कार्यकर्ता, कार्यकारिणी सदस्य, अतिथिगण एवं अनेकानेक गणमान्य समाज-बंधुओं ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

भंडारा एवं दिव्यांग सेवा

२२ अक्तूबर को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा मंदिर प्रांगण में भंडारा का आयोजन किया गया। दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोडिया जी के द्वारा विशाल भंडारे का शुभारंभ हुआ। इस दौरान सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

५ नवंबर को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने माहेश्वरी सदन, राणा प्रताप कॉलोनी में दिव्यांग सेवा की। इस सेवा कार्यक्रम में उपस्थित रहे प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपद भूतोड़िया जी।

सावधान !

इन दिनों भिन्न-भिन्न तरीकों से रुपये ठगने का गलत धंधा चल रहा है। उदाहरणस्वरूप आपके पास किसी का फोन आ सकता है, जिसमें आपके किसी परिचित का नाम और फोटो फोन करने वाले के स्थान पर हो सकता है। अपने को उस परिचित का पारिवारिक सदस्य बताकर मुसीबत में होने की वजह से पैसे मांग सकता है, या अन्य किसी तरीके से ठगने का प्रयास कर सकता है, कृपया किसी के चक्कर में न पड़ें तथा सावधान रहें। इसी तरह के अन्य तरीके भी हो सकते हैं। कृपया सचेत रहें।

– अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

सिविल सेवाओं में मारवाड़ी समाज के बच्चों को आगे बढ़ाना है : बोले श्री अग्रवाल

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से संबद्ध पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का प्रांतीय अधिवेशन एवं प्रदेश अध्यक्ष के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन सॉल्टलेक स्थित होटल 'गोल्डन ट्यूलिप' में हुआ। नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अग्रवाल ने शपथ ग्रहण किया। इस दौरान पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के १५ शाखाओं के अनेक पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। प्रदेशाध्यक्ष के सम्मान के साथ ही अन्य गणमान्य अतिथियों एवं प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के शाखाओं के पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। प्रादेशिक सम्मेलन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अग्रवाल ने कहा कि बंगाल ही नहीं, बल्कि राष्ट्र के विकास में मारवाड़ी समाज का अहम योगदान है। आज देश को सही तरीके से नौकरशाह ही चलाते हैं। हमलोग हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। श्री अग्रवाल ने आगे कहा कि पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में मेरा पहला और प्रमुख लक्ष्य सिविल सेवाओं में बंगाल के मारवाड़ी समाज के बच्चों को आगे बढ़ाना है। हम मारवाड़ी समाज के बट्टो को आगे बढ़ाना है। हम मारवाड़ी समाज के बच्चों को सिविल सेवाओं में अधिक से अधिक भागीदारी के लिए प्रेरित करेंगे और बच्चों को हर तरह की मदद करेंगे, ताकि प्रशासनिक सेवाओं में मारवाड़ी समाज की भूमिका अहम हो। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ एवं विशिष्ट अतिथि आइपीएस श्री राजेश कुमार ने अपना सारगर्भित उद्बोधन दिया। समारोह का संचालन श्री महावीर प्रसाद रावत ने किया। कार्यक्रम में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन, महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, कोषाध्यक्ष श्री केदारनाथ गुप्ता, फाइनेंस समिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोंथलिया, संयुक्त महामंत्री श्री पवन जालान, निवर्तमान महामंत्री श्री संजय हरलालका, पूर्व कोषाध्यक्ष दामोदर विदावतका, अखिल भारतवर्षीय महिला मारवाड़ी सम्मेलन की अध्यक्ष श्रीमती बबिता बगड़िया, मंत्री श्रीमती सुनीता अग्रवाल, श्रीमती पूनम अग्रवाल, श्रीमती सरिता अग्रवाल, डॉ. स्वाति अग्रवाल, पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सचिव श्री नितिन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री अभिषेक शरद डोकानिया, श्री गोपीराम धुवालिया, श्री रूपक केडिया, श्री पवन बंसल, श्री पवन पाटोदिया, श्री आशीष मित्तल, श्री रामकिशन अग्रवाल, श्री विश्वनाथ भूवालका, श्री सुभाष गोयनका, श्री अनिल डालमिया व अन्य उपस्थित रहे।

वर्तमान सत्र हेतु पदाधिकारियों की घोषणा

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से संबद्ध पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नंद किशोर अग्रवाल ने वर्तमान सत्र २०२३-२५ के प्रांतीय पदाधिकारियों की औपचारिक घोषणा की। श्री अग्रवाल ने प्रांतीय उपाध्यक्ष के रूप में श्री विश्वनाथ भुवालका, श्री चण्डीप्रसाद बंसल, श्री मनोज गुप्ता, श्री गोपीराम धुवालिया, प्रांतीय महामंत्री श्री नितिन अग्रवाल, प्रांतीय संयुक्त महामंत्री श्री पवन बंसल, श्री अनिल डालमिया, प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्री अभिषेक शरद, संयुक्त कोषाध्यक्ष श्री रूपक केडिया, संगठन मंत्री श्री संजय भरतिया को मनोनीत किया। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अग्रवाल ने सभी मनोनीत पदाधिकारियों का स्वागत, सम्मान किया एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। श्री अग्रवाल ने आशा व्यक्त किया कि नई टीम नव-उर्जा के साथ सम्मेलन के कार्यों में अपना योगदान देंगे।

धनतेरस पर डॉ. अग्रवाल ने किया दीप प्रज्ज्वलित

पांच दिवसीय दीपोत्सव के पर्व के पहले दिन शुक्रवार को धनतेरस के अवसर पर बंगलुरू के स्थानीय एक्सिस बैंक में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, जाने-माने उद्योगपति एवं राजनेता डॉ. सुभाष अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। इस अवसर पर ब्रांच के प्रबंधक श्री चैतन्य, रिलेशनशिप मैनेजर श्रीमती सविता सिंह, श्री प्रशांत कुमार एवं अन्य बैंक कर्मी व गणमान्य लोग मौजूद थे।

हमारे नवनिर्वाचित शाखाध्यक्ष

शाखा : सीनी, झारखंड

श्री पूरन अग्रवाल

श्री पूरन अग्रवाल जी सुप्रसिद्ध कपड़ा व्यवसायी है। आपने बी. कॉम तक की शिक्षा प्राप्त की है। आप सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों से जुड़े रहे हैं। आप अभी सीनी धर्मशाला समिति के कोषाध्यक्ष हैं। आप सामाजिक कार्यों में पूर्ण मनोभाव से अपना योगदान दे रहे हैं। अभी आप झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन, सराईकेला जिला के सीनी शाखा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं।

शाखा : कटनी, मध्य प्रदेश

श्री शरद सरावगी

श्री शरद सरावगी जी का जन्म १७ अक्तूबर १९६७ में मध्यप्रदेश के कटनी जिले में हुआ। आप मूलरूप से राजस्थान के चूरू जिला के निवासी हैं। आपका विवाह श्रीमती रश्मि सरावगी से ३० मई १९९३ में हुआ। आपने बी.कॉम तक की शिक्षा प्राप्त की है। आप ऑटोमोबाइल्स में टू-व्हीलर/ ट्रैक्टर के अधिकृत विक्रेता हैं, आपका व्यवसाय मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में है। आप राजस्थानी मारवाड़ी समाज एवं दिगंबर जैन समाज की विभिन्न संस्थाओं – मां राजुल दे ट्रस्ट (कोलकाता), महावीर विकलांग केंद्र (कटनी), गुणायतन ट्रस्ट न्यास सम्मेद शिखर जी (झारखंड) में न्यासी एवं दिगंबर जैन समाज, दिगंबर जैन शिक्षा संस्थान (कटनी) से जुड़े हैं और अभी आप मारवाड़ी सम्मेलन की कटनी शाखा के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। आप ओम प्रकाश सरावगी निःशुल्क विद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष हैं, जो कि वर्ष २०१० से संचालित है। आप दायोदय पशु केंद्र के सक्रिय सदस्य हैं व कटनी के मुक्तिधाम सेवा समिति के कार्यकारिणी सदस्य हैं और वहां किए गए सराहनीय कार्यों के लिए कटनी कलेक्टर द्वारा १५ अगस्त २०१९ को 'समाजसेवा सम्मान' से आपको सम्मानित किया जा चुका है।

मारवाड़ी भाई-बेहना सू निवेदन

आपा आपणो देश मारवाड़ (राजस्थान) तो छोड़ दिया हाँ, काईं आपणी मारवाड़ी, आपणी मातृभाषा ने भी छोड़ देनो, खत्म कर देनो चावां हाँ। आपणा में अधिकतर माता-पिता आपणा बच्चा (टाबरा) सू हिंदी, इंग्लिश में बात करा हाँ और गर्व महसूस करा हाँ, आज हर सिंधी रा बच्चा सिंधी बोले है, मराठी का मराठी, अटातांई के अरबपति अंबानी का बच्चा भी गुजराती में ही बात करे है, परंतु आज री जेनरेशन मारवाड़ी बच्चा ने तो मारवाड़ी आवे ही नहीं है, काई आपण मारवाड़ी बोलना में शर्म आवे है। इन बच्चा का हक है मारवाड़ी बोलनो और मारवाड़ी सीखनो तो कृपया कर गर्व सू मारवाड़ी में बात करो, कम से कम मां-पिता जी, भाई-भोजाई, चाचा-चाची जी, सगला घर का सू कोई एक तो बात शुरू करो।

आपणी मारवाड़ी भाषा ने विलुप्त होना सू बचाओ!

उपलब्धियाँ

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के न्यासी प्रो. डॉ. पवन कुमार पोद्दार को बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय का प्रभारी कुलपति नियुक्त किया गया है। इस बाबत राजभवन से नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। प्रो. डॉ. पवन कुमार पोद्दार को विश्वविद्यालय का प्रभारी कुलपति बनने पर सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से बधाई दी।

केंद्रीय उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, उद्योग के राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य के रूप में हमारे आजीवन सदस्य एवं सीडब्ल्यूबीटीए के अध्यक्ष सुशील कुमार पोद्दार को मनोनीत किया। सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने श्री पोद्दार को व्यक्तिगत रूप से बधाई दी।

डिब्रूगढ़ असम निवासी श्री महेंद्र बगड़िया के सुपुत्र श्री कृष्ण बगड़िया के बनाए हुए मैसेजिंग एप texts.com को विश्व प्रसिद्ध wordpress.com ने पचास मिलियन डॉलर में खरीद लिया है।

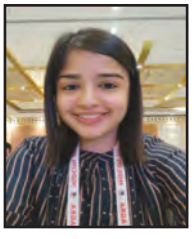

बेतिया, बिहार निवासी श्रीमती मधुलिका-श्री रमेश तोदी की सुपुत्री सुश्री अंकिता तोदी ने मुंबई में आयोजित तीसरी भारतीय कैंसर कांग्रेस के दौरान रेक्टल कैंसर ट्रायल पर प्रस्तुत अपने शोध-पत्र के लिए प्रथम पुरस्कार जीता है। साथ ही अंकिता को अमेरिकी कैंसर केंद्रों में पर्यवेक्षक बनने और अटलांटा में आयोजित होने वाले एएसओ २०२४ के वार्षिक सम्मेलन में अपना पेपर प्रस्तुत करने के लिए अवार्ड भी मिला है।

राजस्थान के कोटा जिले के भांडाहेडा गाँव की १९ वर्षीया ब्यूटी विद ब्रेन सुश्री नंदिनी गुप्ता ने मिस इंडिया २०२३ का खिताब अपने नाम कर लिया है। वह देश की ५९वीं मिस इंडिया चुनी गई हैं। इस खास मौके पर नंदिनी को पूर्व मिस इंडिया सुश्री सिनी शेट्टी ने ताज पहनाया।

कोलकाता निवासी श्रीमती पूजा - श्री पवन गोयनका के सुपुत्र हेयांश गोयनका ने २ साल ६ महीने की उम्र में भारत के मानचित्र पर भारतीय राज्यों की पहचान करने और उनकी राजधानियों को बताने के लिए वर्ल्ड वाइड बुक ऑफ रिकॉर्डस में अपना नाम दर्ज कराया है।

जयंती ४ नवंबर

समाज के आदर्श महापुरुष सेठ जमनालाल बजाज

युवावस्था में ही सेठ जमनालाल के भीतर आध्यात्मिक खोजयात्रा आरंभ हो चुकी थी और वह किसी सच्चे कर्मयोगी गुरु की तलाश में भटक रहे थे। इस क्रम में पहले वह मदन मोहन मालवीय से मिले। कुछ समय तक वे रबीन्द्रनाथ टैगोर के साथ भी रहे। अन्य कई साधुओं और धर्मगुरुओं से भी वह जाकर मिले। १९०६ में जब बाल गंगाधर तिलक ने अपनी मराठी पत्रिका 'केसरी' का हिंदी संस्करण नागपुर से निकालने के लिए विज्ञप्ति दिया, तो युवा जमनालाल ने एक रुपये प्रतिदिन के हिसाब से मिलने वाले जेब खर्च से जमा किए गए सौ रुपये तिलक को जाकर दे दिए। जमनालाल ने लिखा है कि देशसेवा के लिए दान में दिए गए उस सौ रुपये से जो खुशी उन्हें तब मिली थी, वैसी बाद में लाखों दान करने पर भी नहीं मिली। लेकिन, तिलक को भी वे अपना गुरु नहीं मान सके। इस बीच जमनालाल महात्मा गांधी द्वारा दक्षिण अफ्रीका में किए जा रहे सत्याग्रह की खबरों को पढ़ते और उनसे बहुत प्रभावित होते रहे। १९१५ में भारत वापस लौटने के बाद जब गांधी जी ने साबरमती में अपना आश्रम बनाया तो जमनालाल कई बार कुछ दिन वहाँ रहकर गांधी जी की कार्य-प्रणाली और उनके व्यक्तित्व को समझने की कोशिश करते रहे। गांधी जी में उन्हें संत रामदास के उस वचन की झलक मिली कि 'उसी को अपना गुरु मानकर शीष नवाओ जिसकी कथनी और करनी एक हो।' जमनालाल को अपना गुरु मिल चुका था। उन्होंने पूरी तरह से गांधी जी को अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया।

जमनालाल बजाज भारत के ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हैं, जिन्हें भुलाया नहीं जा सकता। गांधी जी से प्रेरित होकर उन्होंने देश की सेवा को ही अपना परम कर्तव्य माना। १९२० में नागपुर कांग्रेस के अधिवेशन में महात्मा गांधी का असहयोग प्रस्ताव पास होने पर सेठ जमनालाल बजाज ने सबसे पहले अपनी रायबहादुरी और आनरेरी-मजिस्ट्रेट छोड़ने की घोषणा की। श्री बजाज पर गांधी जी के विचारों का इतना प्रभाव था कि उन्होंने अपनी पत्नी और बेटे को गांधी जी के साथ आश्रम में रहने के लिए बुला लिया था। बजाज ने गांधी जी के साथ देश भर में घूमकर सत्याग्रह और दांडी मार्च जैसे कई आंदोलनों में हिस्सा लिया। इसकी वजह से उन्हें कई बार जेल भी जाना पड़ा। गरीबों की मदद करने में उन्हें काफी प्रसन्नता होती थी। इसीलिए वो खुद तो सादगी से रहते ही थे और अपने परिवार के लोगों को सादा जीवन जीने के लिए प्रेरित करते थे। अपना सारा धन हमेशा गरीबों के हित में लगाया करते थे। बजाज ने समाज में फैली छुआछूत और ऊँच-नीच जैसी जटिल समस्याओं को जड़ से उखाड़ फेकने की ठान ली थी। घोर विरोध के बावजूद वर्धा स्थित लक्ष्मीनारायण मंदिर में दलितों का प्रवेश कराने में उन्होंने विनोबा के नेतृत्व में अद्‌भुत सफलता हासिल की। अपने घर के प्रांगण, खेतों और बगीचों में स्थित कुओं को उन्होंने दलितों के लिए खोल दिया। उन्होंने देश भर में हिंदी भाषा और खादी का प्रचार किया। गांधी जी ने जमनालाल बजाज को अपना पाँचवा बेटा स्वीकार किया था।

गांधी जी, जमनालाल बजाज की बात कितना मानते थे, इसे दो घटनाओं से समझ सकते हैं। १९३० में महात्मा गांधी ने साबरमती से दांडी यात्रा की। यात्रा के दौरान उन्होंने संकल्प लिया कि आश्रम तभी लौटेंगे जब ब्रिटिश हुकूमत से देश आजाद करा देंगे। इस बीच वे लगभग तीन साल तक जेल और आंदोलन में व्यस्त रहे। इस दौरान महात्मा गांधी विचार कर रहे थे कि मध्य भारत में कहीं अपना आश्रम बनाकर रहने लग जाएँ। इस पर जमनालाल बजाज ने बापू से ये विचार छोड़ने का आग्रह किया। आखिर में बजाज की बात मानकर वो वर्धा चले गए। दूसरा, जमनालाल बजाज के निवेदन पर ही महात्मा गांधी ने वर्धा में 'सेवाग्राम आश्रम' की स्थापना की गांधी जी ने साबरमती आश्रम छोड़कर सेवाग्राम में अपना आश्रम बनाया गांधी जी १९३६ से १९४८ तक सेवाग्राम आश्रम में रहे और उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन की सभी गतिविधियाँ इसी आश्रम से संचालित कीं।

सेठ जमनालाल बजाज ने सामाजिक सुधारों की शुरुआत सबसे पहले अपने घर से ही की। असहयोग आंदोलन के दौरान जब विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार शुरू हुआ तो उन्होंने सबसे पहले अपने घर के तमाम कीमती और रेशमी वस्त्रों को बैलगाड़ी पर लदवाकर शहर के बीचों-बीच उसकी होली जलवाई। उनकी पत्नी जानकी देवी ने भी सोने और चांदी जड़े हुए अपने वस्त्रों को आग के हवाले कर दिया और आजीवन खादी पहनने का व्रत ले लिया। उनके त्याग की सूची लंबी है। ब्रिटिश हुकूमत को बंदूक और रिवॉल्वर जमा कराते हुए उन्होंने अपना लाइसेंस वापस कर दिया। आदालतों का बहिष्कार करते हुए अपने सारे मुकदमे वापस ले लिए। मध्यस्थता के जरिए विवादों को निपटाने के लिए अपने साथी व्यवसायियों को मनाया। जिन वकीलों ने आजादी की लड़ाई के लिए अपनी वकालत छोड़ दी, उनके निर्वाह के लिए उन्होंने कांग्रेस को एक लाख रुपये का अलग से दान दिया।

११ फरवरी १९४२ को अकस्मात ही जमनालाल जी का देहांत हो गया। उनकी मृत्यु के बाद उनकी पत्नी जानकी देवी ने स्वयं को देशसेवा में समर्पित कर दिया। विनोबा के भूदान आंदोलन में भी वह उनके साथ रहीं।

Yours Tastefully
Anmol
हर पल अनमोल
हर घर अनमोल
www.anmolindustries.com | Follow us on:

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

शाखा समाचार

गुवाहाटी, पूर्वोत्तर

काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन

मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा द्वारा स्थानीय साँगानेरिया धर्मशाला में काव्य पाठ प्रतियोगिता का सेमीफइनल चक्र सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। पूर्वोत्तर के विभिन्न राज्यों से कवि-गण अपनी कलम का हुनर दिखाने आए थे, जिनको सुनने के लिए जनसमुदाय में अत्यधिक उत्साह था। कुल ६६ कवियों में से सेमीफाइनल के लिए ३५ प्रतिभागियों का चयन किया गया था, इन्हीं ३५ प्रतियोगियों के बीच हुए कविताई दंगल में से १५ प्रतिभागियों (सर्वसुश्री मालविका राय मेधी दास "मेधा", शिखा शर्मा, विनीता मूंधड़ा, प्रियंका जैन, शिव सोनी, प्रतिभा शर्मा, कांता अग्रवाल, निशा शर्मा, मंजू लता शर्मा, तुलसी छेत्री, प्रज्ञा माया शर्मा, कंचन शर्मा, सारिका भंडारी, सर्वश्री प्रेम कुमार, सौमित्रम) का फाइनल राउंड के लिए चयन हुआ। कार्यक्रम संयोजक श्री सुरेंद्र लढ़ा और श्री मनोज चांडक ने बताया कि इस सेमीफइनल मुकाबले के उत्साह को देखते हुए विशेष तैयारी की गई थी। निर्विवाद संपन्न हुए इस मुकाबले के लिए तीन निर्णायकों का एक पैनल बनाया गया था, जिसमें हिंदी राजभाषा अधिकारी व पूर्वोत्तर रेलवे के हिंदी प्रचारक श्री विक्रम सिंह व पूर्व में बी बरुआ कॉलेज के हिंदी विभाग के प्रमुख व नाटक साहित्य के जानकार श्री अरबिंद कुमार शर्मा व कवियित्री व कहानीकार श्रीमती अर्चना तिवाड़ी शामिल थी। सर्वप्रथम शाखा के अध्यक्ष श्री शंकर बिड़ला ने स्वागत अभिनंदन किया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में उपस्थित प्रांतीय महामंत्री श्री विनोद लोहिया, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री रमेश कुमार चांडक, प्रांतीय कार्यकारिणी समिति सदस्य श्री राजकुमार तिवारी, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष श्री अशोक अग्रवाल, श्री मनोज कुमार काला, श्री पंकज पोद्दार, मंडलीय उपाध्यक्ष श्री सुशील गोयल, सहायक मंत्री श्री माखन लाल अग्रवाल, सलाहकार श्री अशोक छाबड़ा, कामरूप शाखा अध्यक्ष श्री दिनेश गुप्ता, सचिव श्री संजय केतन, शाखा उपाध्यक्ष श्री महेंद्र कुमार मित्तल, श्री प्रदीप भुवालका द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा के सलाहकार श्री प्रमोद हरलालका, सह-कोषाध्यक्ष श्री विकाश जैन, कार्यकारिणी सदस्य श्री विवेक साँगानेरिया, सर्वश्री गौरव सिवोटिया, विकाश अग्रवाल, राज शेखर अग्रवाल एवं प्रभाष अग्रवाल साथ में समाज के गणमान्य श्री ललित धानुका, निवर्तमान अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश खंडेलवाल एवं श्री कैलाश चितलांगिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

शाखा समाचार

कामरूप, पूर्वोत्तर

दो दिवसीय राजस्थानी गीत-संगीत कार्यशाला का आयोजन

मारवाड़ी सम्मेलन की कामरूप शाखा का दो दिवसीय 'राजस्थानी गीत-संगीत कार्यशाला' का उद्घाटन मुख्य अतिथि असम राज्य जीएसटी के प्रिंसिपल कमिश्नर श्री राकेश अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलि करके किया। इस अवसर पर इनकम टैक्स के इन्वेस्टिं ग डिप्टी कमिश्नर श्री मयूर मोर एवं तेरापंथ सभा गुवाहाटी के पूर्व अध्यक्ष श्री बसंत सुराणा उपस्थित थे। शाखा अध्यक्ष श्री दिनेश गुप्ता ने सभी उपस्थित अतिथियों का स्वागत, अभिनंदन किया। 'राजस्थानी गीत-संगीत कार्यशाला' कार्यक्रम के संयोजक श्री संदीप चमडिया ने कार्यक्रम के बारे में बताया कि १३ और १४ अक्तूबर को माछखुवा स्थित आईटीए सेंटर में दो दिवसीय राजस्थानी लोकगीतों के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ाने एवं लोकगीत गायन का विधिवत प्रशिक्षण देने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया है। जिसमें राजस्थानी लोकगीत धरती धोरा री, मोरिया आचो लाग्यो रे, लडली रूमा झूमा रे, छोटी सी उमर परणाई रे बाबोसा, कुएं पर एकली, मिश्री का बाग लगा दे इन छह लोकगीतों पर संगीत का प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम में असम मध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष श्री रमेश चंद्र जैन भी उपस्थित थे। कार्यक्रम संयोजक श्री संदीप चमडिया ने तीन राजस्थानी गीतों की कार्यशाला लेते हुए इन गीतों को बारीकी से प्रतिभागियों को समझाया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा के संस्थापक अध्य श्री संपत मिश्र, श्री उमाशंकर गट्टानी, पूर्व अध्यक्ष श्री निरंजन सीकरिया, श्री अजीत शर्मा, सुश्री खुशबू वर्मा, सुश्री सुनीता गुप्ता, सुश्री बबीता खेतान, सुश्री सरला जैन, सुश्री बबीता अग्रवाल, सुश्री इंदिरा देवी गट्टानी, मारवाड़ी महिला एकता मंच की अध्यक्ष सुश्री सरोज मित्तल व अन्य कई सदस्यों ने अपना सहयोग दिया। ५२ प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला में अंश ग्रहण किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में नखराली बाईसा फाउंडेशन का सक्रिय सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन सुश्री कंचन शर्मा ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन सचिव श्री संजय खेतान ने दिया।

कार्यकारिणी समिति (सत्र २०२३-२५) की द्वितीय बैठक

२४ दिसंबर २०२३ (रविवार)
समय : सुबह ११ बजे
सम्मेलन सभागार
४बी, डकबैक हाउस,
४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकता - ७०० ०१७

शाखा समाचार

गुवाहाटी, पूर्वोत्तर

महिला शाखा ने मनाया बाल दिवस

बाल दिवस के उपलक्ष में मारवाड़ी सम्मेलन, गुवाहाटी महिला शाखा ने चाबीपुल स्थित आठगांव चाबीपुल प्राथमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं के बीच खेलकूद का आयोजन किया एवं बच्चों के बीच बिस्कुट, चॉकलेट और जूस का वितरण किया। इससे पहले चाचा नेहरू के चित्र के आगे दीप प्रज्ज्वलित कर चाचा नेहरू को याद किया गया। इस कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती गुलाब दुग्गड, श्रीमती मीनू दुधोडिया, श्रीमती खुशबू मोर व श्रीमती स्नेहल बिदासरीया थीं। शाखा सलाहकार श्रीमती सरल काबरा और श्रीमती सरोज मित्तल ने स्कूल के प्रधानाध्यापक श्री हरिधन कोटोकी का सम्मान किया। इसके अलावा खेल-कूद में विजेता छात्रों को भी प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में शाखा उपाध्यक्ष श्रीमती संगीता बड़जात्या, मंत्री श्रीमती मंजू भंसाली, कोषाध्यक्ष श्रीमती बिमला कोचर, जनसंपर्क सचिव संतोष काबरा, संतोष धानुका और श्रीमती शांति कुंडलिया उपस्थित थीं।

शाखा समाचार

गिरिडीह, झारखंड

सेवादारों के लिए नि:शुल्क भोजन की व्यवस्था

नवरात्र के शुभ अवसर पर सेवा, व्यवस्था में कार्यरत पुलिस बल एवं अन्य कर्मियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की गिरिडीह शाखा द्वारा नि:शुल्क भोजन स्चाल की व्यवस्था की गई थी। इस कार्यक्रम की शुरुआत श्री आदि दुर्गा मंडप (बड़की काली मंडा), गांधी चौक, गिरिडीह में पुलिस अधीक्षक श्री दीपक शर्मा के द्वारा अकादमी दुर्गा पूजा समिति प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम का संयोजक श्री बांके बिहारी शर्मा एवं श्री सतीश केडिया ने किया था।

गुवाहाटी, पूर्वोत्तर

दिवाली प्रीति सम्मेलन गौशाला में संपन्न

मारवाड़ी सम्मेलन, गुवाहाटी शाखा अध्यक्ष श्री शंकर बिडला की अध्यक्षता में दीपावली मिलन समारोह का 'गुवाहाटी गौशाला' में आयोजन हुआ। समारोह के अवसर पर गौशाला को आकर्षक रूप से विद्युत-सज्जा द्वारा सजाया गया। कार्यक्रम के संयोजक श्री साहित्य भडेच और श्री गौरव सावोटिया ने मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के सदस्यों के साथ पूरी व्यवस्था को सम्हाल रखा था। इस अवसर पर सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकरिया, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री अशोक धानुका, प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश चंद काबरा, निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश खंडेलवाल, प्रांतीय महामंत्री श्री विनोद लोहिया, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री रमेश चांडक, श्री कैलाश लोहिया, श्री दीनदयाल सावोटिया, प्रांतीय संयुक्त मंत्री श्री मनोज काला, श्री पंकज पोद्दार, मंडलीय उपाध्यक्ष श्री सुशील गोयल, सहायक मंत्री श्री मक्खन अग्रवाल, शाखा उपाध्यक्ष श्री प्रदीप भुवालका, श्री लोकनाथ मोर, श्री रतन गोयनका, शाखा सचिव श्री अशोक सेठिया, शाखा कोषाध्यक्ष श्री सूरज सिंघानिया, शाखा प्रचार-प्रसार सचिव श्री नरेंद्र सोनी के अलावा गुवाहाटी गौशाला के अध्यक्ष श्री जयप्रकाश गोयनका, मारवाड़ी हॉस्पिटल के अध्यक्ष श्री रमेश गोयनका, भाजपा के राज्य कोषाध्यक्ष श्री राजकुमार शर्मा, श्री रतन शर्मा, श्री प्रमोद हरलालका, श्री पीतराम केडिया, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष श्री सीताराम बिहानी, श्री कृष्ण कुमार जालान, शाखा सदस्य सर्वश्री विकास जैन, प्रदीप पाटनी, गौतम शर्मा, विवेक सांगानेरिया, विकास अग्रवाल, अभिषेक केजरीवाल, समित सराफ, प्रभास पोद्दार, विनोद जिंदल, सम्मेलन कामरूप शाखा के अध्यक्ष श्री दिनेश गुप्ता, महिला शाखा की उपाध्यक्ष सुश्री मंजूलता शर्मा, तेरापंथ सभा के अध्यक्ष श्री बजरंग सुराणा के अलावा समाज के अन्य कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शाखा समाचार

बेंगलुरु, कर्नाटक

वैवाहिक परिचय सम्मेलन का आयोजन

कर्नाटक मारवाड़ी सम्मेलन की बेंगलुरु शाखा द्वारा शादी योग्य युवक/युवतियों के लिए एक वैवाहिक परिचय सम्मेलन का आयोजन आगामी 17 दिसंबर 2023 (रविवार), सुबह १० बजे से ४ बजे तक गोडवाड़ जैन भवन में किया जा रहा है। मारवाड़ी रीति-रिवाज एवं मनोरंजक कार्यक्रमों के साथ इस परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य समाज के शादी योग्य युवक/युवतियों के लिए एक प्लेटफार्म उपलब्ध कराना है, जिसका रजिस्ट्रेशन नीचे दिए गए (Google form) लिंक पर उपलब्ध है : https://forms.gle/yJiCGDxZ7JFunsW36 अधिक जानकारी के लिए आप निम्नलिखित पदाधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं:
श्री अरुण खेमका – 9019936107, **श्री पंकज जालान** – 9448237198.

शाखा समाचार

साकची, झारखंड

'नो लॉस-नो प्रॉफिट' पर बनवाई मिठाई

मारवाड़ी सम्मेलन, साकची शाखा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी समाज-बंधुओं के लिए उचित मूल्य पर (बाजार मूल्य से बहुत कम) मिठाइयां बनवाकर उपलब्ध करवाया। इस साल मारवाड़ी सम्मेलन, साकची शाखाध्यक्ष श्री सुरेश कुमार कॉवटिया के नेतृत्व में ३ नवंबर से १० नवंबर तक दीपावली पर शुद्ध देशी घी में मिठाइयां, आनंदम, निमकी, सुहाली आदि बनाने का काम किया। इस कार्य में करीब ४० कारीगरों द्वारा प्रतिदिन कार्य किया गया। इस साल पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए रिकॉर्ड मात्रा में मिठाइयों का आर्डर आया, जिसके चलते अंतिम दो दिन में शाखा ने मिठाइयों का आर्डर लेने में असमर्थता जाहिर की। शुद्ध देशी घी में अच्छी गुणवत्ता की मिठाइयां जैसे बादाम बर्फी, काजू बर्फी, दिलखुसार, महीनदाना लड्डू, गोलकी दाना लड्डू, भुजिया, सुहाली, नमकीन, माठी, मूंगदाल, राजस्थानी दालमोठ, पेठा और कचौड़ी, समाज-बंधुओं को 'नो लॉस-नो प्रॉफिट' के अंतर्गत उपलब्ध कराया। कार्यक्रम की सफलता के बाद शाखाध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओं को सफलता के लिए तहे दिल से धन्यवाद दिया। शाखाध्यक्ष श्री कॉवटिया ने शाखा के संरक्षक श्री अशोक चौधरी द्वारा अपने दस हजार वर्ग फीट के गोदाम को खाली करवाकर शाखा को समाज के लिए मिठाइयां बनाने के लिए उपलब्ध करवाने पर आभार ज्ञापित किया।

शपथ ग्रहण समारोह में हुए शामिल

मारवाड़ी सम्मेलन साकची शाखा के महामंत्री श्री अभिषेक अग्रवाल 'गोल्डी' और कोषाध्यक्ष श्री सन्नी संघी उड़ीसा राज्य के महामहिम राज्यपाल माननीय श्री रघुवर दास जी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए।

शाखा समाचार

साकची, झारखंड

अग्रसेन जयंती उत्सव पर प्रभात फेरी

अग्रसेन जयंती के शुभ अवसर पर १५ अक्तूबर को ठाकुरबाड़ी मंदिर, साकची में महाराजा अग्रसेन जी की पूजा की गई। पूजा लोगों ने अपने संस्कारों के अनुरूप साकची शाखा के बुजुर्ग अभीभावक श्री श्याम सुंदर रिंगसिया को सम्मान देते हुए उनके द्वारा संपन्न करवाई। पूजा-अर्चना के बाद साकची शाखा के सदस्यों द्वारा अग्रसेन महाराज की सवारी के साथ साकची क्षेत्र का भ्रमण किया गया। रास्ते में राहगीरों को प्रसाद वितरण किया गया। प्रभात फेरी वापस ठाकुरबाड़ी रोड साकची में आकर समाप्त हुई। यहां पर सदस्यों को प्रसाद वितरण किया गया। प्रभात फेरी में भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया और पूरी प्रभात फेरी के दौरान अग्रसेन महाराज की जय के नारे गूंजते रहे। अग्रसेन महाराज की सवारी का परिचालन शाखाध्यक्ष श्री सुरेश कुमार कॉवटिया ने किया।

दुमका, झारखंड

जरूरतमंदों में फल, मिठाई का वितरण

दीपोत्सव के शुभ अवसर पर दुमका जिला सम्मेलन परिवार द्वारा आश्रितों के बीच फल, मिठाई, फुलझड़ी, माचिस, मोमबत्ती आदि का वितरण सम्मेलन सदस्यों द्वारा किया गया। विगत कई वर्षों से उपर्युक्त कार्यक्रम दुमका सम्मेलन परिवार करता आ रहा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्री हरि शंकर मोदी, श्री कैलाश वर्मा, श्री पारस हिम्मतसिंहका, श्री रंजीत सिंखानिया, श्री अनिल पटवारी, श्री विमल अग्रवाल, श्री राजेश अग्रवाल, श्री सोहित नारनोली, श्री दिलीप भुवानियां, श्री राजेश पटवारी, श्री राम कुमार मोदी, श्री राजेंद्र मेहारिया एवं अन्य सदस्यों की मुख्य भूमिका रही।

आलेख

क्या मारवाड़ियों ने अपनी जादुई शक्ति खो दी है?

– श्री हर्ष गोयनका
चेयरमैन, आरपीजी ग्रुप

एक गुजराती उद्योगपति ने हाल ही में टिप्पणी की, 'आप मारवाड़ियों ने मिडास टच (जादुई शक्ति) खो दिया है!' वर्तमान सार्वजनिक धारणा निश्चित रूप से उनके अवलोकन की पुष्टि करती प्रतीत होती है। लेकिन क्या मारवाड़ियों ने सचमुच मिडास टच खो दिया है? मेरी खोज का पहला बिंदु देश के शीर्ष ५० व्यापारिक घरानों का डेटा था। १९६४ में १३ शीर्ष मारवाड़ी परिवार थे, जिनमें व्यापारिक घरानों के उच्चतम वर्ग का २६% हिस्सा था। १९९० में यह आंकड़ा बढ़कर १४ परिवारों तक पहुँच गया, जिसमें २८% शामिल थे। २००० में, यह स्थिर रहा।

२०१३ में फोर्ब्स की शीर्ष १०० भारतीय अरबपतियों की सूची में जगह बनाने वाले मारवाड़ियों के संख्या की २०२२ में तुलना करने पर पता चला कि जहाँ २०१३ में २९ मारवाड़ी थे, वहीं २०२२ में यह संख्या घटकर २६ हो गई, लेकिन मारवाड़ियों की संख्या इसी अवधि में पहले १० की संख्या २ से बढ़कर ४ हो गई थी। हालाँकि, ये आंकड़ें दिखाते हैं कि मारवाड़ी समुदाय शीर्ष धन सृजनकर्ताओं में से एक के रूप में प्रासंगिक बना हुआ है, लेकिन यह भी उतना ही स्पष्ट था कि वे अब केंद्र स्तर पर नहीं हैं।

समुदाय का ऐतिहासिक रूप से स्वतंत्रता-पूर्व प्रभुत्व १९४७ के बाद भी जारी रहा, जिसमें कई मारवाड़ी व्यापारिक घरानों ने टाटा जैसे लोगों के साथ शासन किया। उद्यमियों के साथ-साथ चतुर वार्ताकारों, लागत की उनकी गहरी समझ और वित्तीय जोखिम प्रबंधन की समझ ने स्वतंत्रता के बाद के युग में उद्योग के साथ-साथ वित्तीय सेवा क्षेत्र में उनके उत्थान के लिए मंच तैयार किया।

यह प्रभुत्व उदारीकरण तक जारी रहा। दुर्भाग्य से, अब मारवाड़ी अवसरों का लाभ उठाने की स्थिति में नहीं थे। धन प्रबंधन की अपनी मूल प्रतिभा, कमोडिटी बाजारों की समझ और कुशल लागत नियंत्रण पद्धतियों के साथ, मारवाड़ियों ने सहज रूप से केवल उन उद्योगों और व्यवसायों की ओर रुख किया, जो उन्हें प्राकृतिक लाभ और आराम देते थे। उनकी शिक्षा भी काफी हद तक इस विशेषज्ञता को समर्थन देने और बढ़ाने के लिए थी, उनके अधिकांश युवा उच्च अध्ययन के लिए वाणिज्य या चार्टर्ड अकाउंटेंसी चुनते थे।

यह एकनिष्ठता, निश्चित रूप से उन्हें अपने व्यवसायों पर अपनी पकड़ बनाए रखने में मदद करती है, लेकिन उन्हें अन्य नए क्षेत्रों, विशेष रूप से प्रौद्योगिकी में अपने दृष्टिकोण का विस्तार करने की अनुमति नहीं देती है। जैसा कि एक मारवाड़ी मित्र ने विश्लेषण किया, "हम अनुसंधान एवं विकास, विपणन, या तकनीक और नवाचार से जुड़े व्यवसायों की तुलना में अचल संपत्तियों और अधिक मूर्त व्यवसायों के साथ अधिक सहज थे। अफसोस की बात है कि हमने इंजीनियरिंग या रसायन विज्ञान की शिक्षा का भी समर्थन नहीं किया।"

इमामी ग्रुप और वरुण बेवरेजेज की सांकेतिक मारवाड़ी उपस्थिति के साथ एफएमसीजी सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक था। जो दशकों से भारत के सबसे अधिक मूल्य सृजन वाले क्षेत्रों में से एक है, फार्मा में सन, सीरम इंस्टीट्यूट, टोरेंट, सिप्ला आदि जैसे बड़े क्षेत्रों में ल्यूपिन एकमात्र मारवाड़ी प्रतिनिधि है। टेलीकॉम, २००० के दशक का भारत का उभरता हुआ उद्योग है। वस्तुतः दो-घोड़ों की दौड़ में केवल एयरटेल और रिलायंस को ही उभरते देखा गया।

ऑटो सेक्टर में बजाज एकमात्र मारवाड़ी प्रतिनिधि है। रियल एस्टेट में लोधा एकमात्र उल्लेखनीय मारवाड़ी हैं। रसायन क्षेत्र में सिंघल (पीआई समूह), बिड़ला, टापरिया (सुप्रीम इंडस्ट्रीज) और भरतिया (जुबिलेंट) जैसे मारवाड़ियों की अच्छी उपस्थिति है।

मुख्य विनिर्माण या वित्तीय सेवा क्षेत्रों को स्कैन करने पर, तस्वीर स्पष्ट रूप से भिन्न है। धातुओं में, जिंदल, बिड़ला और अनिल अग्रवाल की वेदांत का लगभग पूर्ण प्रभुत्व है। इसके बाद स्टील, तेल, शिपिंग, निर्माण, दूरसंचार और बिजली क्षेत्र में रुइया (एस्सार) हैं। सीमेंट में, जहाँ बिड़ला, बांगुर, डालमिया, सिंघानिया सबसे प्रमुख खिलाड़ी हैं। शेयर बाजारों में दिवंगत राकेश झुनझुनवाला के साथ राधाकिशन दमानी का दबदबा है।

बड़ी संख्या में मारवाड़ी देश से बाहर चले गए, जिनमें से कुछ लक्ष्मी निवास मित्तल और श्री प्रकाश लोहिया जैसे बेहद सफल हो गए। लेकिन एक बार फिर, उन्हें क्रमशः इस्पात और रसायन के पारंपरिक उद्योगों में सफलता मिली। मारवाड़ी सरकार और नौकरशाही को प्रबंधित करने, नीतिगत ढाँचे को आगे बढ़ाने में बहुत कुशल नहीं थे। यही कारण है कि वे बुनियादी ढांचे में अपेक्षाकृत कम दिखाई देते हैं।

मारवाड़ी मंदी का एक अन्य कारण विकास और विस्तार के लिए प्रेरणा की कमी थी। मारवाड़ियों में एक बहुत ही मजबूत और सुगठित संयुक्त परिवार प्रणाली थी, जहाँ कुलपति परिवार के सभी सदस्यों के बीच उनके योगदान या क्षमता की परवाह किए बिना धन और कार्यभार का समान वितरण सुनिश्चित करते थे। चूंकि कड़ी मेहनत और नवप्रवर्तन का कोई प्रतिफल नहीं मिला, और सिस्टम की कड़ी पकड़ के कारण इसके दायरे से बाहर निकलना असंभव हो गया, इसने अधिक महत्वाकांक्षी, प्रतिभाशाली सदस्यों को हतोत्साहित करने का काम किया। यह भी अक्सर होता था कि पितृसत्ता ने वर्षों तक बागडोर कसकर पकड़ रखी थी, जिससे युवा रक्त को शक्ति का उपयोग करने, विस्तार करने या नवीनता करने से रोके रखा।

तब शायद संतुष्टि हो गई होगी। कहावत है – पहली पीढ़ी धन पैदा करती है, दूसरी पीढ़ी उसे एकत्रित करती है, जबकि तीसरी पीढ़ी उसे बर्बाद करती है। सृजन के क्षेत्र में मारवाड़ी शुरुआती प्रवर्तक थे। २०वीं सदी के अंत तक, वे अच्छी तरह से स्थापित और समृद्ध थे, और उन्होंने परिश्रम और नवप्रवर्तन की इच्छा खो दी, अवकाश, कला और गोल्फ की गतिविधियों को प्राथमिकता दी – इस लेखक को भोजन के प्रति अपनी रुचि के लिए दोषी ठहराए जाने का उल्लेख नहीं किया गया है। कई लोग धन सृजक के बजाय पूंजी उपभोक्ता बन गए।

विशिष्ट रूप से मारवाड़ी मानसिकता अपनी महिलाओं को व्यवसाय में भाग लेने से हतोत्साहित कर रही थी। वेलस्पन की दीपाली गोयनका या ऑर्गेनिक्स की विनती सराफ मुटरेजा जैसी कुछ महिलाओं को छोड़कर, शीर्ष पर मारवाड़ी महिलाओं के शायद ही कोई उदाहरण हैं।

लेकिन किस्मत का पहिया एक बार फिर मारवाड़ी के रास्ते पर घूम रहा है। उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, वैश्विक प्रबंधन तकनीकों के संपर्क और बेहतर कॉर्पोरेट प्रशासन ने जीएनएम - जेननेक्स्ट मारवाड़ी के बीच सफलता की एक नई भूख को फिर से जगा दिया है। एक ताजा उभार आने वाला है। भारत के जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम में सचिन और बिन्नी बंसल (पूर्व-फ्लिपकार्ट), रितेश अग्रवाल (ओयो), प्रतीक माहेश्वरी (फिजिक्सवाला), अनुपम मित्तल (शादी डॉट कॉम), मुकेश बंसल (मिंत्रा) और हर्ष जैन (ड्रीम ११) दूसरों के बीच में जैसे मारवाड़ी उद्यमियों का स्वस्थ प्रतिनिधित्व है।

तो, मेरे दोस्तों, मारवाड़ी मिडास टच के खत्म होने की खबरें बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई हैं।

साभार : इकनॉमिक टाइम्स

आलेख

राजस्थानी भाषा : आम संवाद में व्यवहार

– डॉ. दिनेश कुमार जैन
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अ.भा.मा.स.

एक लंबे समय से प्रवासी मारवाड़ी समाज और साथ ही साथ इसकी एकमात्र राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था – अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, संवाद में अपनी मातृभाषा राजस्थानी के घटते व्यवहार के विषय में चिंतन करते रहे हैं और इसके कारणों की विवेचना करते रहे हैं। महाकवि कन्हैयालाल सेठिया ने कहा है – "निज भाषा साहित्य बिन, पनपै कदै न प्रांत, / सभ्य स्वतंत्र समाज रो, सदा अमर सिद्धांत।" विद्वतजनों ने एक मत से मातृभाषा की महत्ता और इसके प्रचार-प्रसार एवं प्रयोग की अनिवार्यता को स्वीकारा है, लेकिन यह प्रश्न हमारे समक्ष सुरसा की तरह मुँह बाये खड़ा है कि इसका क्रियान्वयन कैसे हो?

कहते हैं, व्यष्टि से समष्टि का निर्माण होता है – व्यक्ति से ही समाज बनता है। मेरा मत है कि हमारे प्रश्न का उत्तर भी इसी में छुपा है। हमें संकल्पित रूप से सबसे पहले स्वयं से, अपने परिवार और अपने निकटस्थों से शुरुआत करनी होगी। मंदिर में दीप प्रज्ज्वलित करने के उपदेशों की बजाय मातृभाषा की ज्योति फैलाने की शुरुआत हमें अपने घरों में दीया जलाकर करनी होगी। अपने परिवारजनों और उन सबसे जो राजस्थानी भाषा जानते हैं, अनिवार्यतः इसी भाषा में बातचीत करनी होगी। अपने निकटस्थों में अगर ऐसे हैं, सम्भवतः कम वयस्क वाले, जो राजस्थानी भाषा नहीं जानते, उन्हें उत्प्रेरित कर यह सुनिश्चित करना होगा कि वे अपनी मातृभाषा सीखें और इसके प्रति सजग-सचेत रहें।

यह बोधगम्य है कि पाश्चात्य अंधानुकरण की वर्तमान लहर के बीच, अपने युवक-युवतियों और किशोर-किशोरियों को अपनी मातृभाषा और सभ्यता-संस्कृति की ओर उन्मुख करना एक बड़ी चुनौती है, लेकिन साथ ही साथ यह एक बड़ी उपलब्धि भी होगी जिसके दूरगामी परिणाम होंगे। यह भी स्वाभाविक है कि प्रारंभ में कुछ कठिनाइयाँ आएँ। किसी भी सामाजिक परिवर्तन में समय लगता है और मायड़ भाषा के इस महायज्ञ की सफलता के लिए भी लगातार और गंभीर प्रयासों की आवश्यकता होगी।

यह भी याद रखना होगा कि दाँव पर क्या लगा है? एक सर्वेक्षण के अनुसार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर २,५०० भाषाएँ विलुप्ति के कगार पर हैं। यह एक कटु सत्य है कि अगर भाषा मरती है तो उसके साथ हजारों वर्षों का अनुभव, संस्कृति और पहचान सदा–सदा के लिए समाप्त हो जाती है। मातृभाषा के साथ हमारी अस्मिता और अस्तित्व का प्रश्न भी जुड़ा हुआ है।

यूँ तो मेरा विश्वास है कि हमारे समाज के लोग विशेषकर वयस्क राजस्थानी भाषा की अच्छी जानकारी रखते हैं, फिर भी नमूने एवं संदर्भ के रूप में, दो विद्यार्थियों के वार्तालाप में प्रयुक्त, अंग्रेजी/हिंदी के कुछ वाक्य/वाक्यांश और उनके राजस्थानी अनुवाद नीचे, विनम्रतापूर्वक दिए जा रहे हैं।

अंग्रेजी / हिंदी	राजस्थानी

Good Morning! नमस्कार ! / **राम राम सा / खम्मा घणी!**

What is your name? / **तेरो नाम कांई है?**
तुम्हारा नाम क्या है?

My name is Sushil Choudhary / **मेरो नाम सुशील चौधरी है।**
मेरा नाम सुशील चौधरी है।

What is your father's name? / **तेरै बापू रो नाम कांई?**
तुम्हारे पिता जी का नाम क्या है?

My father's name is Shri Ghanshyam Choudhary /
मेरे पिता जी का नाम श्री घनश्याम चौधरी है। **मेरे बापू रो नाम श्री घनश्याम चौधरी है।**

Where do you live? / **तूं कठै रैवे है?**
तुम कहाँ रहते हो?

I live in Kolkata / **मैं कोलकाता में रेवूं।**
मैं कोलकाता में रहता हूँ।

How many brothers and
sisters do you have? / **थे कै भाण-भायी हो?**
आपके कितने भाई-बहन हैं?

I have two brothers and one sister /
मेरे दो भाई और एक बहन हैं? **मेरे दो भायी अर एक भैण है।**

In which school do you study? /
तुम कौन-सी स्कूल में पढ़ते हो? **तूं कुंण-सी अिस्कूल में पढै है?**

I study in Govt. High School /
मैं सरकारी हाई स्कूल में पढ़ता हूँ। **मैं सरकारी हायी अिस्कूल में पढ़ूं हूं।**

In which class do you study? /
तुम कौन-सी क्लास में हो? **तूं कुंण-सी क्लास में है?**

I study in class ten. /
मैं कक्षा दस में पढ़ता हूँ। **मैं दसवीं क्लास में हूँ।**

What do you want to be? /
तुम क्या बनना चाहते हो? **तूं के बणनो चाहवै है?**

I want to be a doctor so
that I can serve people /
मैं डॉक्टर बनना चाहता हूँ
ताकि मैं लोगों की सेवा कर सकूँ। **मैं डागदर बणनो चाउं जीसूं मैं जनता री सेवा कर सकूं।**

Now, where are you going? /
अब किधर जाओगे? **अब कठै जावै है?**

School! स्कूल / **अिस्कूल!**

Please tell me what can I do for you? /
बोलिए, मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूँ? **बोलो, मैं आपरी कांई खातिर करूं?**

हमारा परम सौभाग्य है कि राजस्थानी हमें मातृभाषा के रूप में प्राप्त हुई है, जो एक अति समृद्ध, वैज्ञानिक और तार्किक भाषा है। राजस्थानी भाषा-साहित्य का लगभग डेढ़ हजार वर्षों का इतिहास है और साहित्य की विविध विधाओं, व्याकरण, शब्दों की संख्या, संप्रेषण शक्ति, सटीक मुहावरे, लोकोक्तियों आदि विभिन्न भाषा-मानकों पर यह पूरी तरह खरी उतरती है। अपनी मातृभाषा को इसका समुचित स्थान दिलाना न सिर्फ हम सबका नैतिक कर्तव्य है, बल्कि अपनी विरासत, सभ्यता-संस्कृति और पहचान को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए यह अनिवार्य है। इसमें सभी समाज-बंधुओं की सक्रिय भागीदारी करबद्ध प्रार्थित है।

शाखा समाचार

सूरत, गुजरात

अन्नदान एवं वस्त्रदान की सेवा

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, सूरत जिला इकाई द्वारा १४ अक्तूबर को शनि अमावस्या एवं पितृ विसर्जन पर गरीब जरूरतमंद वृद्ध माताओं को अन्नदान एवं वस्त्रदान की सेवा प्रदान की गई। इस अवसर पर जिला इकाई अध्यक्ष श्री सुशील अग्रवाल, महामंत्री श्री हेमंत गर्ग, मीडिया प्रभारी श्री महेंद्र जैन, सर्वश्री विजय सरावगी, पुरुषोत्तम जी, सन्तोष जी एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे। इस पुण्य कार्य में श्री विजय सरावगी एवं श्री पुरषोत्तम जी का विशेष सहयोग रहा।

सूरत, गुजरात

छठ पर्व पर प्रसाद का वितरण

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की सूरत जिला इकाई के द्वारा छठ पर्व के अवसर पर प्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें अध्यक्ष श्री सुशील अग्रवाल, श्री महेंद्र जैन, श्री संतोष जसरपुरिया, श्री गोपाल डोलिया, श्री राजेंद्र अग्रवाल, श्री सुनील अग्रवाल एवं अन्य कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पेज से जुड़ें

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सोशल मीडिया में उपस्थिति फेसबुक एवं इंस्टाग्राम पेज के माध्यम से प्रारंभ हो चुकी है। सभी समाज-बंधुओं से विनम्र निवेदन है कि फेसबुक व इंस्टाग्राम को अधिक से अधिक संख्या में लाइक/फॉलो करें। इसके द्वारा हम आपसी संवाद एवं संपर्क को बढ़ावा देंगे एवं इससे सम्मेलन की सूचनाओं का आदान-प्रदान भी संभव हो पाएगा। सम्मेलन के सभी प्रांत, शाखा एवं समाज से जुड़े सभी समाज-बंधुओं से अनुरोध है कि इस सुविधा का लाभ उठाएं तथा अपने सूचना/विचार एवं कार्यक्रम की फोटो पोस्ट करने के लिए राष्ट्रीय कार्यालय में व्हाट्सएप +91 86973 17557 करके या ईमेल (aimf1935@gmail.com) में भेज सकते हैं, ताकि उपयुक्त जानकारियों को हम एक-दूसरे के साथ साझा कर सकें। इस संबंध में आपके सुझाव आमंत्रित हैं। राम! राम!!

– **कैलाश पति तोदी**, राष्ट्रीय महामंत्री

कानपुर, उत्तर प्रदेश

बच्चों को शिक्षण सामग्री बाँट मनाया जन्मदिन

उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के कानपुर शाखाध्यक्ष श्री ओम प्रकाश अग्रवाल ने गरीब बच्चों को शिक्षण सामग्री एवं कपड़े देकर अपना जन्मदिन मनाया। श्री अग्रवाल सेवाभावी हैं, गरीबों के लिए दो स्कूल चलाते हैं और कानपुर की कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं।

जालना, महाराष्ट्र

दिवाली स्नेह मिलन

महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, जालना एवं मारवाड़ी युवा मंच, जालना द्वारा आयोजित दिवाली स्नेह मिलन व जालना शाखा पदग्रहण समारोह का जालना के मारवाड़ी समाज ने आयोजन किया। मारवाड़ी समाज के श्री वीरेंद्र प्रकाश धोका का मार्गदर्शन मिला। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री श्री रावसाहेब दानवे, पूर्व मंत्री श्री अर्जुनराव खोतकर, विधायक श्री कैलाश गोरेंटियाल, कालिका स्टील के श्री घनश्याम गोयल, सर्वश्री अनिल गोयल, अरविंद चव्हाण, भास्करराव आंबेडकर, भास्करराव दानवे, संतोष साभरे एवं अन्य विधायकगण, उद्योगपति व सामाजिक क्षेत्र के प्रमुख उपस्थित लोगों ने समयोचित मार्गदर्शन किया। इस कार्यक्रम का संचालन श्री पवन जोशी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन श्री महेश भक्कड़ ने दिया। कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री सुरेंद्र चेचानी सारथी बने। सचिव श्री सुदेश करवा, जिन्हें साथ मिला कार्याध्यक्ष श्री उमेश पंचारिया, कोषाध्यक्ष श्री सुनील राठी, सर्वश्री विजय जैन, मनीष तवरावाला, उमेश बजाज, दिनेश बरलोटा, रवि बैरागी, महावीर जांगिड़, सुभाष देवीदान, सुनील बियानी, गोविंद प्रसाद मूंधड़ा, पीयूष होलानी, रमेश मोदी का। कार्यक्रम के पश्चात सुमधुर अन्नकूट के प्रसाद का समाज के ९५० लोगों ने आनंद लिया।

AUM CAPITAL
YOUR TRUST IS OUR WEALTH
IN PURSUIT OF
EXCELLENCE & COMMITMENT
The most Trusted, Respected & Reputed Financial Services Advisor
TRUST = AUM CAPITAL
A 360 degree approach to financial services embodied in a comprehensive platform
Wealth Management
Insurance Broking
Fixed Income Products
Investment Banking
Broking (Equity & Currency)
Trade Finance
Loan Syndication
Commodity Broking
For further queries and exciting career opportunities reach us at
aumcares@aumcap.com
www.aumcap.com
9007632552
/ AumCap
New Delhi | Mumbai | Pune | Kolkata | Ranchi | Ahmedabad | Chennai | Bangalore

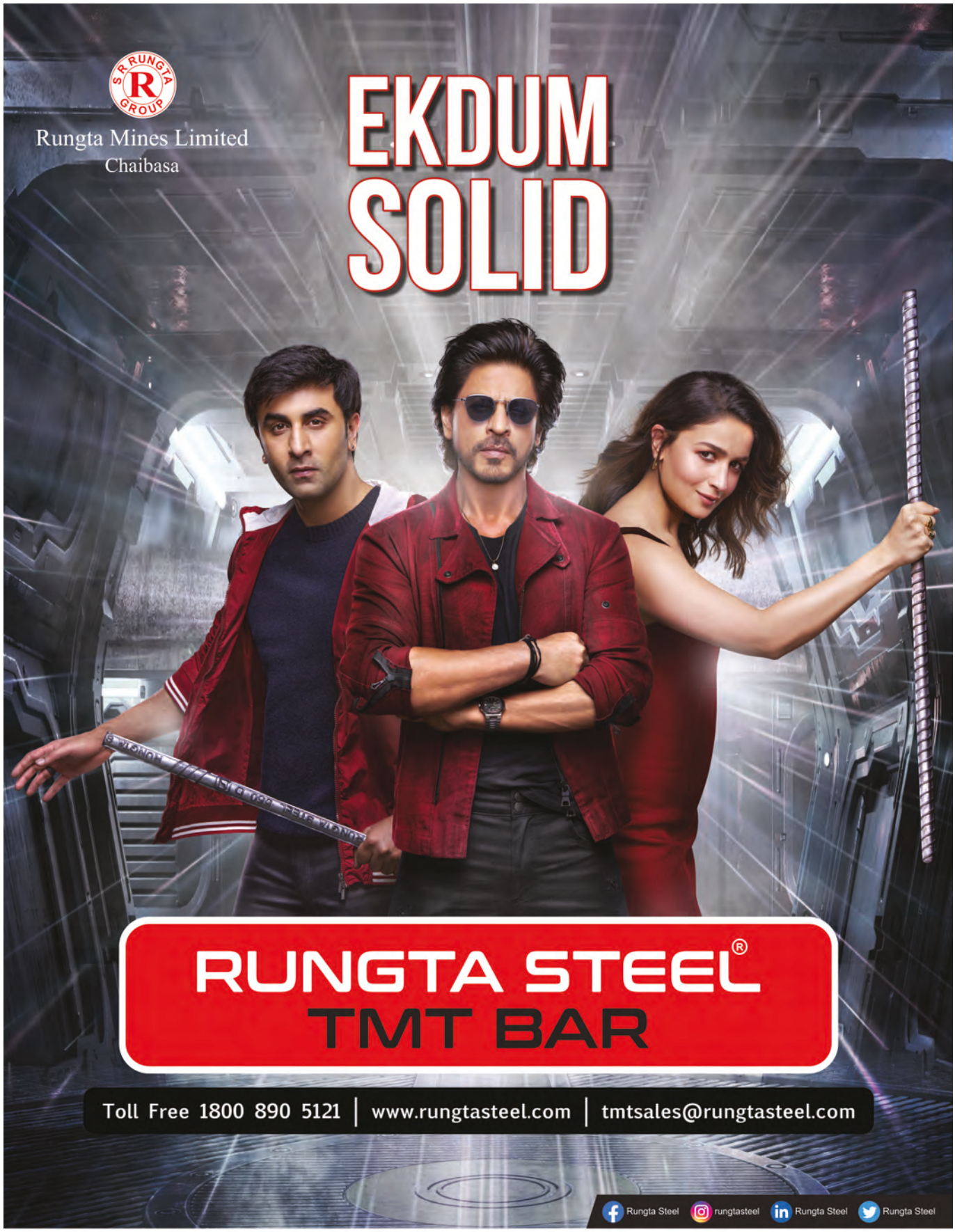

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

CENTURYPLY®
CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYDOORS®
CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates
CENTURYPVC®
CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board
CENTURYPROWUD®
MDF-The wood of the future
zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
SAINIK 710
WATERPROOF PLY
SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL
CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.
Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088
For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on 1800 5722 122

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2021-2023
Date of Publication - 24th November 2023
RNI Regd. No. 2866/1968

#LiveColors

COLORS BY RUPA

Bring on the Fun with
PRINTED
BRIEFS & TRUNKS

MINI BRIEF
#106

FRONT OPEN LONG TRUNK
#114

FRONT OPEN MINI TRUNK
#104

SOFT TOUCH | BREATHABLE FABRIC | QUICK ABSORPTION | ANTI-FUNGAL DYE | TAGLESS COMFORT | SUPER STRETCHABLE | ULTRA DURABLE | SNUG FIT

Colorful. Comfy. Cool. Presenting **Colors Printed Briefs & Trunks**, flaunt the shades of versatility coz there's a print for every mood & occasion. Combined with its superior support, as well as lasting freshness - you'll stay relaxed and stylish, all day!

Other available products

SCAN & EXPLORE

VEST #201 #202 #203 #204 #205 #206 #207 #208 #209 #210 #211 #212 #213 #214 #215
BRIEF #106 #107 #109 #111 #116 #117 #118 #126
TRUNK #101 #102 #103 #104 #105 #108 #110 #112 #113 #114 #115 #119 #120 #121 #122 #123 #124 #125
TOWEL #301 #302 #303 #401 #402 #501 | HANDKERCHIEF #701 #702 #703 #704 #705

Pictures shown are for illustration purpose only. Actual product may vary due to product enhancement. #Product codes.

live colors

Toll Free No.: **1800 1235 001** | Visit your nearest store or shop @ **rupaonlinestore.com** | **livecolors.in** | amazon.in

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com